प्रेरणास्त्रोतः स्व. डॉ. एलसी वालिया

लोक प्रेरणा

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

लोहारू से प्रकाशित

RNI No.HARHIN/2022/90426 वर्ष : 03, अंक: 03 पृष्ठ: 08, मूल्य: रू. 2.00 शुक्रवार, 13 जून 2025 lokparerna@gmail.com +91-9255149495

निजामुद्दीन से गाजियाबाद जा रही ट्रेन बेपटरी, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

दिल्ली के निजामुद्दीन से गाजियाबाद जा रही एक ट्रेन गुरुवार को पटरी से उतर गई। ट्रेन का चौथा डिब्बा प्रभावित हुआ है। अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और राहत एवं सुरक्षा उपायों का आकलन किया जा रहा है। उत्तर रेलवे के अनुसार, शाम 4:10 बजे के आसपास ट्रेन नंबर 64419 (एनजेडएम-जीजेडबी ईएमयू) का एक डिब्बा शिवाजी ब्रिज के पास डाउन मेन लाइन पर पटरी से उतर गया। रेलवे अधिकारी और कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचकर बहाली के काम में जुट गए हैं। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। रेलवे अधिकारी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और जल्द से जल्द सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की निर्णायक यात्रा है यह अमृतकाल: गिरीराज

भागलपुर/लोक प्रेरणा

मोदी सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धियों को लेकर भागलपुर के परिसदन में गुरुवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, राष्ट्रीय मीडिया पैनलिस्ट जयराम विप्लव, क्षेत्रीय प्रभारी अनिल ठाकुर, जिला अध्यक्ष संतोष शाह, मीडिया प्रभारी प्राणिक वाजपेई सहित पार्टी पदाधिकारी शामिल हुए। इस मौके पर गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में भारत ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के साथ आत्मनिर्भरता और वैश्विक विश्वास की नई इबारत लिखी है। यह अमृतकाल, भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की निर्णायक यात्रा है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि मोदी सरकार ने देश की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। बालाकोट स्ट्राइक से लेकर तेजस, ब्रह्मोस, आईएनएस विक्रांत और एस-400 जैसे अत्याधुनिक संसाधनों से भारत रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना है। नक्सलवाद पर निर्णायक कार्रवाई से हिंसा में 70 प्रतिशत की गिरावट आई है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि टेक्नोलॉजी के जरिए पारदर्शिता और सशक्तिकरण को

लंदन जा रहा एअर इंडिया विमान अहमदाबाद में क्रैश

242 लोग थे सवार, अब तक 241 से ज्यादा शव मिले

अहमदाबाद/लोक प्रेरणा

गुजरात के अहमदाबाद में बड़ा विमान हादसा हुआ है। एअर इंडिया का विमान अहमदाबाद के मेघाणी नगर इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। विमान में 242 यात्री सवार थे। विमान अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रहा था। विमान रिहायशी इलाके में क्रैश हुआ। अभी तक 241 से अधिक शवों को अस्पताल लाया गया है। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। विमान में मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विमान अहमदाबाद एयरपोर्ट से टेकऑफ करते ही हादसे का शिकार हो गया। घटनास्थल पर अग्निशमन दल की टीमें पहुंच गई हैं और राहत और बचाव कार्य जारी है। हादसे के बाद एअर इंडिया ने हॉटलाइन नंबर जारी किया है।

अहमदाबाद से लंदन जा रहा था विमान

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एयर इंडिया का विमान एआई171 हादसे का शिकार हुआ है, जो अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रहा था। यह विमान बोइंग इ787 एयरक्राफ्ट वीटी-एएनबी था। हादसे की सूचना मिलते ही गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल भी अहमदाबाद के लिए रवाना हो गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी गुजरात सीएम और अहमदाबाद के कमिश्नर से फोन पर बात की है और उनसे हालात के बारे में जानकारी ली। साथ ही गृह मंत्री ने हरसंभव मदद की बात कही। एअर इंडिया ने भी हादसे की पुष्टि की है और बयान में कहा है कि वे हालात की समीक्षा कर रहे हैं।

विमान में 169 भारतीय नागरिक सवार

एअर इंडिया ने एक बयान में बताया कि विमान में सवार 242 यात्रियों में से 169 भारतीय नागरिक, 53 ब्रिटिश नागरिक, एक कनाडाई नागरिक और 7 पुर्तगाली नागरिक शामिल थे। हादसे में घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एअर इंडिया ने जानकारी देने के लिए हॉटलाइन नंबर 1800 5691 444 जारी किया है। एअर इंडिया ने अथॉरिटीज को पूरा समर्थन देने की बात कही है। अका171 दुर्घटना के मद्देनजर, सभी विवरणों के समन्वय के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय में एक परिचालन नियंत्रण कक्ष सक्रिय कर दिया गया है। जिसका नंबरः 011-24610843` 9650391859 है।

डॉक्टर्स हॉस्टल पर क्रैश हुआ विमान

अहमदाबाद के शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरूआती जांच में पता चला है कि लंदन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट डॉक्टर्स हॉस्टल पर क्रैश हुई। सूचना मिलने के 2-3 मिनट के भीतर ही पुलिस अन्य एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। करीब 70-80 प्रतिशत इलाका क्लीयर करा लिया गया है। सभी एजेंसियां काम में जुटी हैं।

जान गंवाने वाले लोगों में पूर्व सीएम विजय रुपाणी भी

अहमदाबाद के मेघाणीनगर में गुरुवार दोपहर भीषण विमान हादसा हुआ। एअर इंडिया विमान संख्या-AI-171 उड़ान भरने के तत्काल बाद क्रैश हो गया। अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रहे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद एअर इंडिया ने बताया कि इस विमान में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश नागरिक, सात पुर्तगाली नागरिक और एक कनाडाई नागरिक सफर कर रहा था। इसी विमान में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रुपाणी भी सवार थे।

गुजरात के पूर्व सीएम और राज्यसभा सांसद रहे विजय रुपाणी का 68 साल की आयु में निधन हो गया। वर्ष 2016 से 2021 के बीच गुजरात के मुख्यमंत्री रहे रुपाणी का सियासी करियर काफी लंबा रहा है। गुजरात में मुख्यमंत्री बनने से पहले रुपाणी जुलाई, 2006 से 2012 के बीच राज्यसभा सदस्य रहे। साल 2014 में नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया और देश के प्रधानमंत्री बने। गुजरात में उनकी जगह आनंदीबेन पटेल ने ली। इसके लगभग दो साल बाद अगस्त, 2016 में आनंदीबेन पटेल की जगह विजय रुपाणी राज्य के मुख्यमंत्री बने। 2017 के विधानसभा चुनाव भाजपा ने रुपाणी के चेहरे पर लड़ा और जीतकर एक बार फिर से सत्ता में वापसी की। विधानसभा चुनाव में जीत के बाद विजय रुपाणी ने दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अपने दो कार्यकाल में कुल पांच साल 37 दिन तक इस पद पर रहे।

नगर निगम, विधानसभा से लेकर संसद तक की राजनीति

बतौर मुख्यमंत्री अपने पहले कार्यकाल में रुपाणी अगस्त, 2016 से दिसंबर, 2017 तक सीएम पद पर रहे।

दिल्ली में आज भी जारी रहेगा गर्मी का सितम

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

राजधानी समेत समूचे उत्तर, उत्तर-पश्चिम भारत में गर्मी का सितम जारी है। यहां तक कि पहाड़ों में भी गर्मी का सितम देखा जा रहा है। गुरुवार को मौसम विभाग द्वारा जारी जानकारी के मुताबिक 13 जून को पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र सहित उत्तर-पश्चिमी भारत में लू से लेकर भीषण गर्मी की स्थिति जारी रहने की संभावना है और उसके बाद इसमें कमी आएगी। मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली में गुरुवार को अधिकतम तापमान आयानगर में 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी के साथ न्यूनतम तापमान 30.5 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार राजस्थान, मध्य प्रदेश, दक्षिण हरियाणा, दिल्ली, पंजाब,

दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश, जम्मू, कच्छ में कई स्थानों पर अधिकतम तापमान 43-46 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा है। उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़, शेष गुजरात, झारखंड से सटे दक्षिण-पश्चिम बिहार में 40-42 डिग्री सेल्सियस। जम्मू, अरुणाचल प्रदेश, मध्य असम में अलग-अलग स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से 6.5 डिग्री सेल्सियस अधिक है। हिमाचल प्रदेश, उत्तर-पश्चिम पंजाब, उत्तरी राजस्थान, दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश, पूर्वी मेघालय, दक्षिण नागालैंड, सौराष्ट्र और कच्छ, पूर्वी उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में अधिकतम तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस और 6.4 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया।

एयर इंडिया विमान हादसा: टाटा ग्रुप ने मृतकों के परिजनों के लिए एक-एक करोड़ रुपये की घोषणा की

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

टाटा समूह ने गुरुवार को अहमदाबाद में एयर इंडिया की ड्रीमलाइनर बोइंग 787-8 फ्लाइट संख?या अका71 की दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए 1-1 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद की घोषणा की है। इसके अलावा समूह सभी घायल यात्रियों को चिकित्सा कवर की सुविधा भी मुहैया कराएगी। इस विमान में 12 चालक दल के सदस्यों सहित 242 लोग सवार थे। टाटा संस के अध्यक्ष एन. चंद्रशेखरन ने जारी बयान में कहा कि एयर

इंडिया फ्लाइट अका71 से जुड़ी दुखद घटना से हम बहुत दुखी हैं। इस समय हम जो दुख महसूस कर रहे हैं, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। चंद्रशेखरन ने लिखा है हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है और जो घायल हुए हैं। टाटा समूह इस त्रासदी में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 1 करोड़ रुपये की सहायता राशि देगा। घायलों के चिकित्सा व्यय को भी वहन करेगा और सुनिश्चित करेगा कि उन्हें सभी आवश्यक देखभाल और सहायता मिले। इसके अतिरिक्त बी.जे. मेडिकल के छात्रावास के निर्माण में सहायता प्रदान करेगा। समूह की तरफ से कहा गया है कि वे इस अकल्पनीय समय में प्रभावित परिवारों और समुदायों के साथ खड़ा है।

मनोहर लाल ने जम्मू-कश्मीर के लिए बिजली और शहरी विकास क्षेत्र की समीक्षा की

"उपभोक्ताओं के जीवन को सुगम बनाने के लिए कनेक्शन शुल्क को सरल बनाएं"

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

केंद्रीय विद्युत एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने गुरुवार को श्रीनगर में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर के शहरी विकास और विद्युत क्षेत्र के परिदृश्य की समीक्षा की। बैठक के दौरान केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में बिजली क्षेत्र के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। विद्युत मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में बताया कि केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने बैठक के दौरान कहा कि केंद्र शासित प्रदेश को अपने उपभोक्ताओं के लिए बिजली की लागत कम करने के लिए जलविद्युत परियोजनाओं पर लगाए गए जल उपकर को माफ करने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगस्त 2025 तक सभी सरकारी प्रतिष्ठानों और सरकारी कॉलोनियों के लिए प्रीपेड मीटर पर्याप्त संख्या में प्रदान किए जाएंगे। मनोहर लाल ने कहा कि विद्युत मंत्रालय और केंद्र शासित प्रदेश को जलविद्युत परियोजनाओं के लिए स्थानीय कार्यबल के कौशल विकास और क्षमता निर्माण के लिए समन्वय करना चाहिए। उपभोक्ताओं के जीवन को सुगम बनाने के लिए कनेक्शन शुल्क को सरल बनाएं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सर्दियों के दौरान मांग को पूरा करने के लिए राज्यों के बीच मांग की अनुपूरकता के आधार पर बिजली की बैंकिंग हो। मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक के दौरान केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में बिजली क्षेत्र के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

भारत ने चीन से रेयर अर्थ एलिमेंट की आपूर्ति में स्थिरता की मांग की

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को कहा कि भारत सरकार चीन के साथ लगातार संपर्क में है ताकि रेयर अर्थ एलिमेंट से जुड़े उत्पादों की आपूर्ति में स्थिरता लाई जा सके।प्रवक्ता ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि अप्रैल की शुरूआत में चीन के वाणिज्य मंत्रालय और सीमा शुल्क प्रशासन ने कुछ रेयर अर्थ एलिमेंट से जुड़े उत्पादों के निर्यात पर नियंत्रण लगाने की घोषणा की थी। विदेश

मंत्रालय के प्रवक्ता जायसवाल ने बताया कि भारत ने बीजिंग और दिल्ली में चीनी अधिकारियों के साथ चर्चा की है। भारत चाहता है कि व्यापार से जुड़ी आपूर्ति श्रृंखला में पूवार्नुमेयता बनी रहे और यह अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो। रेयर अर्थ एलिमेंट तकनीकी उद्योग के लिए अत्यंत आवश्यक होते हैं। इनका उपयोग इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, रक्षा तकनीक और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में होता है। चीन इन तत्वों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है, ऐसे में चीन के नियंत्रण से वैश्विक आपूर्ति पर असर पड़ सकता है।

भारत इस मामले में सावधानीपूर्वक कूटनीतिक बातचीत कर रहा है ताकि देश के तकनीकी और औद्योगिक हित सुरक्षित रह सकें। सरकार व्यापार जगत को आश्वस्त करने की कोशिश में है कि आवश्यक आपूर्ति बाधित न हो।

उत्तर-पश्चिम भारत में 18 जून तक दस्तक दे सकता है मानसून

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

अगले हफ्ते तक दक्षिण पश्चिम मानसून दिल्ली समेत उत्तर-पश्चिम भारत में दस्तक दे सकता है। गुरुवार को मौसम विभाग ने मानसून की स्थिति और पूवार्नुमान जारी करते हुए बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के पहले सप्ताह (12 से 18 जून) के दौरान मध्य और पूर्वी भारत के शेष भागों और उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ भागों में आगे बढ़ने की संभावना है। इसके साथ 19 से 25 जून के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत के अधिकांश भागों में आगे बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर और उससे सटे मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण, निम्न दबाव क्षेत्र के बनने की संभावना के कारण पश्चिमी तट पर तेज दक्षिण-पश्चिमी हवाएं चलने की संभावना है। जून के तीसरे सप्ताह के दौरान पूर्व और पूर्वोत्तर भारत, मध्य और आसपास के उत्तर-पश्चिम भारत में व्यापक रूप से व्यापक वर्षा होने की संभावना है।

गोयल ने व्यापक सरकारी और उद्योग वार्ता के जरिए भारत-स्वीडन सहयोग को आगे बढ़ाया

नई दिल्ली/स्टॉकहोम/लोक प्रेरणा

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्टॉकहोम की अपनी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के पहले दिन स्वीडिश सरकार के वरिष्ठ सदस्यों और उद्योग जगत के नेताओं के साथ कई महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इस यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को और गहरा करना, व्यापार और निवेश प्रवाह को बढ़ाना और उभरते क्षेत्रों में सहयोग के नए रास्ते तलाशना था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को जारी बयान में बताया कि केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने स्टॉकहोम की अपनी दो-दिवसीय आधिकारिक यात्रा के पहले दिन स्वीडिश सरकार के वरिष्ठ सदस्यों और प्रसिद्ध उद्योगपतियों के साथ कई महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इस यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करना, व्यापार और निवेश प्रवाह को बढ़ाना और उभरते

क्षेत्रों में सहयोग के नए रास्ते तलाशना था। इस दौरान पीयूष गोयल ने अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग और विदेश व्यापार मंत्री बेंजामिन डौसा और विदेश व्यापार सचिव हाकन जेवरेल से मुलाकात की। चर्चा में भारत-स्वीडन व्यापार और निवेश साझेदारी के दायरे को बढ़ाने, सतत औद्योगिक सहयोग को सुविधाजनक बनाने और प्रौद्योगिकी और नवाचार-संचालित विकास के लिए प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। गोयल ने भारत-स्वीडन प्रमुख व्यापारिक गोलमेज (बिजनेस लीडर्स राउंडटेबल) को भी संबोधित किया, जहां उन्होंने स्वीडिश उद्योग के प्रमुख सदस्यों के साथ बातचीत की। यात्रा के दौरान आर्थिक, औद्योगिक और वैज्ञानिक सहयोग के लिए भारत-स्वीडन संयुक्त आयोग का 21वां सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र की सह-अध्यक्षता विदेश व्यापार के सचिव हाकन जेवरेल, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के संयुक्त सचिव संजीव और वाणिज्य विभाग के संयुक्त सचिव साकेत कुमार ने की। गोलमेज सम्मेलन ने स्वच्छ ऊर्जा, स्मार्ट विनिर्माण, गतिशीलता, जीवन विज्ञान और डिजिटल प्रौद्योगिकियों में निजी क्षेत्र के सहयोग को मजबूत करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि पीयूष गोयल ने वैश्विक विनिर्माण और नवाचार केंद्र बनने के भारत के दृष्टिकोण को दोहराया और हरित प्रौद्योगिकियों, नवाचार-आधारित विकास और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्वीडन के साथ निरंतर साझेदारी का आह्वान किया। स्टॉकहोम में हुई बैठकें भारत-स्वीडन रणनीतिक साझेदारी में जारी गति को प्रतिबिंबित करती हैं।

तथा प्रभावी तरीके से भविष्योन्मुख पहलों पर सहयोग करने की साझा महत्वाकांक्षा की पुष्टि करती हैं।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत 84 गांवों में चलाया जागरूकता अभियान

एकजोत

कुरुक्षेत्र। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के 15 दिन से चल रहे विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 के तहत जिले के सभी खंडों में जागरूकता अभियान चलाया गया। 29 मई से शुरू हुए इस अभियान के दौरान जिले के 84 गांव में जागरूकता अभियान चलाया गया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र, कुरुक्षेत्र के वरिष्ठ समन्वयक डॉक्टर बलजीत सिंह सहारण की देखरेख में टीम ने आज थानेसर ब्लॉक के 6 गांव में विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 के तहत जागरूकता अभियान किया। टीम 1 ने बारवा, हथीरा और किरमच गांव में जागरूकता फैलायी। टीम 2 ने ज्योतिसर, हसनपुर और जोगी खेरा गांव में जागरूकता अभियान किया। अभियान के अंतिम दिन कृषि विज्ञान केंद्र, कुरुक्षेत्र के एग्रोनॉमी विभाग की डॉ सरिता ने धान की सीधी बिजाई और मिट्टी की जांच के बारे में विस्तार से किसानों को जागरूक किया। डॉक्टर सोहनवीर सिंह ने बताया कि विज्ञान ने आज इतनी तरक्की कर ली है, कि कृत्रिम सीमन के इस्तेमाल से सिलेक्टिव सेक्स की सहायता से गाय और भैंस में सिर्फ फीमेल गर्भावस्था करवा सकते हैं। साथ ही इन्होंने थनैला रोग से बचाव के लिए अपने विचार किसानों से सांझा किये। भारतीय कृषि भारतीय गेहूं एवं जौं अनुसंधान संस्थान, करनाल के प्रधान वैज्ञानिक लोकेंद्र सिंह ने जौं फसल की खेती बाड़ी करने के लिए किसानों को जागरूक किया। कृषि विज्ञान केंद्र, कुरुक्षेत्र की मौसम वैज्ञानिक डॉक्टर ममता ने मौसम पूवानुर्मान और मौसम का फसलों में महत्व के बारे में बताया और साथ ही ई मौसम ऐप के बारे में बता कर किसानों को जागरूक किया। श्वेता एटी एम, मोहित सुपर वाइजर फील्ड मेन मुकेश के साथ साथ आत्मा स्कीम से जुड़े हुए व्यक्तियों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में बहुत सहयोग दिया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन में साक्षी बनेंगे 40 हजार स्कूली विद्यार्थी: सुभाष सुधा

एकजोत

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन में 40 हजार स्कूली विद्यार्थी साक्षी बनेंगे। 21 जून को होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में शामिल होने वाले एक-एक व्यक्ति की भागीदारी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी। सभी की भागीदारी से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के एक लाख एक हजार लोगों द्वारा एक साथ योग करने के सपने को लक्ष्य तक पहुंचाया जाएगा। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा वीरवार को उपायुक्त नेहा सिंह के साथ लघु सचिवालय की नई बिल्डिंग के सभागार में स्कूल प्रिंसिपलों, सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं, राइस मिल एसोसिएशन, व्यापार मंडल एसोसिएशन और आढ़ती एसोसिएशनों के साथ आयोजित बैठकों की अध्यक्षता की। उन्होंने सभी संस्थानों को 15 जून तक अपना रजिस्ट्रेशन करवाने की अपील की, ताकि सभी सेक्टर अलॉट किए जा सके। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि सभी स्कूलों को छठी कक्षा से 12वीं कक्षा के सभी विद्यार्थियों, स्कूल का टीचिंग व नॉन टीचिंग स्टाफ और परिजनों को योग दिवस के कार्यक्रम में लेकर आएंगे। उन्होंने कहा कि स्कूल अपने विद्यार्थियों को योग अभ्यास करवाने के लिए 3 दिनों तक स्कूल ओपन कर सकते हैं। इसके अलावा 19 जून को फाइनल रिहर्सल के लिए तय स्थान पर पहुंचेंगे। इस मौके पर एसडीएम अमन कुमार, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डा. सुदेश जाटियान, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक सहित स्कूलों के प्रिंसिपल मौजूद रहे।

फर्जी ई-चालान के फर्जी लिंक से रहें सावधान: एसपी गुप्ता

लोक प्रेरणा

सिरसा। पुलिस अधीक्षक डॉ. मयंक गुप्ता ने आमजन को आधुनिकता के इस युग में साइबर अपराधियों से बचने के लिए विशेष एडवाजरी जारी करते हुए कहा कि साइबर अपराधी वाहन चालकों को ई-चालान की फर्जी वेबसाइट बनाकर लिंक भेज रहे हैं, इसलिए ऐसे लिंक से सावधान रहने की आवश्यकता है। यदि गलती से आपने चालान भरने के लिए नकली वेबसाइट पर क्लिक कर दिया तो आप साइबर अपराधियों के चुंगल में फंस जाएंगे और ट्रैफिक ई-चालान को निपटाने की बजाय साइबर अपराधियों को भुगतान करना पड़ सकता है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आजकल साइबर अपराधी फर्जी ट्रैफिक ई-चालान के माध्यम से लोगों को चूना लगा रहे हैं। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी धोखाधड़ी वाले लिंक या संदेश को कुछ इस तरह लिखा होता है, जैसे आपका चालान नंबर, वाहन की पंजीकृत संख्या, चालान राशि रुपयों में। उन्होंने बताया कि साइबर ठगों द्वारा ठगी करने के लिए और आपका विश्वास जीतने के लिए, धोखाधड़ी वाले संदेश को इस तरह से तैयार करते है, जैसे ये वास्तविक हों। पुलिस अधीक्षक डॉ. मयंक गुप्ता ने कहा कि किसी भी प्रकार की वित्तीय या ऑनलाइन धोखाधड़ी होने पर 1930 पर कॉल करके अपनी शिकायत दर्ज करवाएं। इसके अलावा अपनी शिकायत साइबर क्राइम थाना या आपके संबंधित थाने में स्थापित साइबर हेल्पडेस्क पर दें सकते हैं। पुलिस अधीक्षक सिरसा ने बताया कि इंटरनेट का इस्तेमाल आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ही करें, अन्यथा आप धोखाधड़ी के शिकार हो सकते हैं।

सिरसा में एनआईए की टीम की रेड

लोक प्रेरणा

सिरसा,। सिरसा में एनआईए की टीम ने बृहस्पतिवार की दोपहर को सिरसा शहर और गांव वैदवाला में छापेमारी की। इस दौरान एनआईए की टीम अचानक गांव में एक युवक के घर पर पहुंची।

बताया जा रहा है कि युवक ने पंजाब के रिश्तेदारों के पास फोन किया था। जो कुछ दिनों पहले बेगू रोड पर नशा तस्करी के आरोप में पकड़े गए थे। ऐसे में एनआईए की टीम युवक से पूछताछ के लिए सिरसा में पहुंची। जानकारी अनुसार, छापे के समय युवक अपने घर पर ही था। एनआईए ने युवक से करीब एक घंटे तक पूछताछ की और उसके फोन कॉल हिस्ट्री से लेकर अन्य जानकारी जुटाई है। माना जा रहा है कि उक्त युवक से दोबारा भी पूछताछ की जा सकती है। वहीं सदर थाना पुलिस और ग्राम पंचायत से बात हुई तो पता चला कि एनआईए की टीम युवक से पूछताछ कर वापस चली गई।

चिलचिलाती धूप व लू के थपेड़ों से लोगों का जीना मुहाल, तापमान पहुंचा 46 पार

गर्मी व लू के चलते बाजार हुए सुनसान, दुधारू पशुओं पर दिखाई दे रहा गर्मी का असर

अमित वालिया, सतनाली

पिछले सप्ताह भर से भीषण गर्मी ने अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है तथा लगातार चिलचिलाती धूप व लू के थपेड़ों से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। लोग बरसात के इंतजार में हैं, बरसात नहीं होने से गर्मी पूरे यौवन पर है। आसमान से आग की तरह गर्मी बरस रही है। सुबह 9 बजे से ही गर्म हवाएं चलने लगती है जो बाद में लू का रूप धारण कर लेती है। सतनाली क्षेत्र के रेतीले इलाके में तापमान 46 डिग्री को भी पार कर गया है। लोगों ने गर्मी की वजह से दोपहर के समय तो घरों से निकलना बंद किया हुआ है।

तेज गर्मी के चलते दोपहर के समय ग्रामीण क्षेत्र की सडकों व बाजारों में सन्नाटा पसरा रहता है। लगातार बढ़ रहे तापमान से भीषण गर्मी का असर आम आदमी पर ही नहीं बल्कि दुधारू पशुओं पर भी इसका असर साफ दिखने लगा हैं। एक तरफ जहां अधिक गर्मी होने के कारण लोग परेशान नजर आ रहे हैं, वहीं दुधारू पशुओं ने भी दूध देना बंद कर दिया हैं। हालांकि पशुपालक अपने दुधारू पशुओं को इस भीषण गर्मी से बचाने के लिए उपाय कर रहे है, लेकिन फिर भी दुग्ध उत्पादन में तेजी से कमी आ रही हैं।

दूध कम देने के कारण पशुपालक काफी परेशान नजर आ रहे हैं। चिकित्सकों का कहना हैं कि ज्यादा गर्मी होने के कारण व हरा चारा नहीं मिल पाने के कारण पशुओं में कैल्शियम व पानी की कमी आ जाती हैं व हीट-स्ट्रोक होने का खतरा ज्यादा होता हैं। इसलिए दुधारू पशुओं को हवादार जगह में बांधना चाहिए व दिन में कई बार साफ पानी पिलाना चाहिए। लू के प्रभाव को कम करने और हीट स्ट्रोक से बचने के लिए पूरे प्रबंध करके ही घर से बाहर निकलना चाहिए। इसके अलावा पशु व पक्षियों के लिए भी पानी का उचित प्रबंध करना चाहिए। गर्मी के मौसम में इन बेजुबानों को सबसे अधिक परेशानी होती है। ऐसे में हर नागरिक अपने स्तर पर इन बेजुबानों के लिए कुछ न कुछ पानी आदि का प्रबंध जरूर करना चाहिए। साथ ही ऐसे मौसम में विशेषकर बुजुर्गों व बच्चों का विशेष ख्याल रखना चाहिए।

क्या करें:-

1. पर्याप्त पानी पीएं और जितनी बार संभव हो, भले ही प्यास न लगे।
2. हल्के, हल्के रंग के ढीले और सूती कपड़े पहनें। धूप में बाहर जाते समय सुरक्षात्मक चश्में, छाता/टोपी, जूते या चप्पल का प्रयोग करें।
3. ओआरएस का उपयोग करें, घर का बना पेय जैसे लस्सी, नींबू का पानी, छाछ आदि, जो शरीर को फिर से हाइड्रेट करने में मदद करता है।
4. यदि आप बाहर काम करते है, तो एक टोपी या एक छाता का उपयोग करें और अपने सिर, गर्दन, चेहरे और अंगों पर एक नम कपड़े का उपयोग करें।
5. अपने घर को ठंडा रखें, रात में पर्दे, शटर या धूप का उपयोग करें और खिड़कियां खोलें।
6. पंखे का उपयोग करें, कपड़ों को नम करें और ठंडे पानी से स्नान करें।
7. जानवरों को छाया में रखें और पीने के लिए भरपूर पानी दें।

क्या न करें:-

1. खडे किए हुए वाहनों में बच्चों या पालतू जानवरों को न छोड़े।
2. धूप में बाहर जाने से बचें, खासकर दोपहर 12 बजे से सांय 3 बजे तक।
3. गहरे रंग व तंग कपड़े पहनने से बचें।
4. शराब, चाय, कॉफी और काबोर्नेटेड शीतल पेय से बचें, जो शरीर को निर्जलित करता है।
5. उच्च प्रोटीन वाले भोजन से बचें और बासी भोजन न करें।

स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए योग को बनाएं दिनचर्या का हिस्सा: डा. पुनीत भारद्वाज

सतनाली के शहीद पार्क में तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

लोक प्रेरणा

सतनाली। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर कस्बा स्थित शहीद पार्क में वीरवार से तीन विसीय योग प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। नोडल अधिकारी मनोज कुमार एवं आयुष नोडल अधिकारी डॉ. पुनीत भारद्वाज ने बताया कि आयुष विभाग हरियाणा तथा स्थानीय योग समिति एवं खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय के सहयोग से आयोजित किए जा रहे इस शिविर का उद्देश्य आमजन को योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना हैं। उन्होंने बताया कि प्रथम दिन योग प्रशिक्षकों द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को योग प्रोटोकॉल के अंतर्गत विभिन्न आसनों, प्राणायाम एवं ध्यान तकनीकों का अभ्यास करवाया गया साथ ही योग के वैज्ञानिक व आध्यात्मिक लाभों की विस्तृत जानकारी भी दी गई। शिविर में लगभग 70 लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिसमें महिलाएं, युवावर्ग एवं वरिष्ठ नागरिक शामिल रहे। प्रशिक्षकों ने विशेष रूप से बताया कि नियमित योगाभ्यास न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक तनाव को भी दूर करता है। कार्यक्रम का संचालन योग सहायक सविता द्वारा किया गया। शिविर का आयोजन शनिवार तक प्रतिदिन सुबह 6 बजे से 7 बजे तक किया जाएगा। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं तथा योग शिविरों में भाग लेकर स्वस्थ रहे। इस दौरान एसईपीओ प्रवीन कुमार, सतनाली सरपंच प्रतिनिधि धर्मवीर गोठवाल, सचिव सुमेर सिंह, पतंजलि की मुख्य योग शिक्षिका गीता देवी सहित खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय, आयुष विभाग के अधिकारी व कर्मचारी तथा विभिन्न गांवों के पंचायत प्रतिनिधी उपस्थित रहे।

ट्रस्ट द्वारा पक्षियों के पीने के पानी के लिए रखवाए गए पानी के सकोरे

संत कबीर जयंती पर धार्मिक कार्यक्रम का भी हुआ आयोजन

लोक प्रेरणा

सतनाली। द फैमिली वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा संत कबीर दास जयंती को सामाजिक और आध्यात्मिक सेवा दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर प्राचीन मंदिर परिसर में एक विशेष सत्संग एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीण महिलाओं सहित कई श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ संत कबीर दास की वाणी से किया गया। इस दौरान संत कबीर दास की वाणी को सार्थक करने के उद्देश्य से ट्रस्ट द्वारा गर्मी से पीड़ित पक्षियों के लिए मिट्टी के सकोरे रखे गए ताकि गर्मी के मौसमें में उनकी प्यास बुझ सके।

महिलाओं ने अपने हाथों से सकोरे वितरित किए और उन्हें गांव के विभिन्न स्थानों पर स्थापित किया गया। इस दौरान संस्था अध्यक्ष सविता चाहर ने कहा कि संत कबीर दास जी की वाणी आत्मा को जागृत करने वाली है। उनके विचार हमें प्रेरित करते हैं कि हम सभी प्राणियों से प्रेम करें और प्रकृति की सेवा करें। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया तथा संकल्प लिया गया कि वे हर गर्मी में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करेंगे और संत कबीर जैसे महापुरुषों की शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारेंगे। इस दौरान अनेक संख्या में महिलाएं मौजूद रही।

देश की जानी मानी साध्वी सरला खेड़ा ने सांसारिक जीवन से विदा ली

सनातन धर्म के प्रचार में पूरा जीवन लगाया

लोक प्रेरणा

पानीपत। पानीपत के प्रेम मंदिर धाम की देश की जानी मानी साध्वी सरला खेड़ा देवी गुरु चरणों में विलीन हो गई। उनका अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें सामाजिक, धार्मिक एवम अन्य गणमान्य लोगों ने भाग लिया। सरला देवी गुरु महाराज कांता देवी के सानिध्य में प्रेम मंदिर में रहती थी और धार्मिक प्रवच्चनों से लोगों के जीवन को सुधारने का काम करती थी।

सरला देवी हमेशा सफेद वस्त्र धारण करके रहती थी और और उन्होंने अपना पूरा जीवन सनातन धर्म के प्रचार और प्रसार में लगा दिया। वह 85 वर्ष से अधिक की थी और उन्होंने अपने जीवन में समाज के उत्थान के लिए कई कार्यक्रम चलाए । वह लगातार महिलाओं के हित में कार्य करती रहीं ।

प्रेम मंदिर की वर्तमान मुख्य गुरु कांता देवी जी महाराज ने कहा कि साध्वी सरला देवी प्रेम मंदिर धाम की सबसे वरिष्ठ सदस्य थी और उनके जाने से सनातन धर्म का गहरा नुकसान पहुंचा है । उनका पूरा जीवन समाज के लिए अर्पित था और प्रेम मंदिर में उनका योगदान अतुलनीय रहा । कांता देवी जी महाराज ने कहा कि प्रेम मंदिर की पहली अध्यक्ष श्री श्री 1008 श्री शांति देवी जी महाराज के साथ संत सरला देवी जी ने काफी कार्य समाज के लिए किया और सनातन धर्म के लिए इनका जाना अपूरणीय क्षति है ।उनका स्वभाव हंसमुख विनम्र शांत स्वभाव था ।वे जीवन यात्रा पूर्ण करके अपने आराध्य श्री गुरुदेव भगवान के चरणों में विलीन हो गई है उनका अंतिम संस्कार असंध रोड शिवपुरी में किया गया।

उन्होंने बताया कि प्रेम मंदिर के पूरे देश भर में दिल्ली, पानीपत, बहादुरगढ़, झज्जर, वृंदावन, सोनीपत, दुजाना सहित अन्य शहरो में मंदिर हैं और हर मंदिर से समाज के उत्थान के लिए बहुत सी गतिविधियां चलाई जा रही हैं।

कुवि में 21 जून को होने वाली परीक्षाएं स्थगित

एकजोत

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार परीक्षा नियंत्रक द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कारण 21 जून 2025 को आयोजित होने वाली कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि 21 जून 2025 को आयोजित होने वाली सभी कक्षाएं/पाठ्यक्रम (आईटीईपी द्वितीय सेमेस्टर को छोड़कर) की परीक्षाएं अब 8 जुलाई को आयोजित की जाएंगी तथा परीक्षाओं का समय पूर्व अधिसूचित समय के अनुसार ही रहेगा। उन्होंने बताया कि 21 जून को आईटीईपी द्वितीय सेमेस्टर की होने वाली परीक्षा 21 जुलाई को पूर्व अधिसूचित समयानुसार ही आयोजित की जाएगी। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कारण आनलाइन दाखिले के लिए 21 व 22 जून, 2025 को होने वाली प्रवेश परीक्षाएं भी स्थगित की गई हैं। लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महा सिंह पूनिया ने बताया कि स्थगित की गई प्रवेश परीक्षाओं का शेड्यूल जल्द ही जारी किया जाएगा।

फैंटेसी गेमिंग की आड़ में कथित अवैध सट्टेबाजी के लिए एफआईएफएस सदस्य स्पोटेर्सी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई

लोक प्रेरणा

गुरुग्राम। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, हरियाणा पुलिस ने 2025 में लागू होने वाले हरियाणा के नए सार्वजनिक जुआ कानून के अनुसार अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी गतिविधियों का संचालन करने के आरोप में फैंटेसी गेमिंग प्लेटफॉर्म और फेडरेशन ऑफ इंडियन फैंटेसी स्पोर्ट्स (एफआईएफएस) के पंजीकृत ब्रॉन्ज सदस्य स्पोर्टसी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

"यह प्लेटफॉर्म लोगों को गेमिंग नहीं, बल्कि जुए में फँसाता है," एफआईआर में कहा गया है। "इसका संचालन अवैध, अनैतिक और हानिकारक है, और यह कौशल-आधारित खेल की आड़ में कानूनी अस्पष्टताओं का फायदा उठाता है।"

एफआईआर (संख्या 0155), जो 7 जून की रात मानेसर पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी, हरियाणा सार्वजनिक जुआ रोकथाम अधिनियम, 2025 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 318(4) के तहत गंभीर आरोप लगाती है। शिकायत स्थानीय निवासी हरी नुनिया द्वारा दर्ज कराई गई थी, जिन्होंने दावा किया कि स्पोटेर्सी फैंटेसी स्पोर्ट्स की पेशकश करके सट्टेबाजी को बढ़ावा देता है, जिससे उपयोगकताओं को गुमराह किया जाता है और राज्य के कानून का उल्लंघन होता है।

एफआईआर के अनुसार, यह प्लेटफॉर्म उपयोगकताओं को फैंटेसी स्पोर्ट्स की प्रकृति में लाइव खेल आयोजनों के अनिश्चित परिणामों पर असली पैसे का दांव लगाने की अनुमति देता है, जो हरियाणा जुआ अधिनियम के तहत सट्टेबाजी और जुआ के रूप में माना जाता है। एफआईआर में आगे कहा गया है कि ऐप नाबालिगों सहित कमजोर समूहों को लक्षित करता है, और इसमें सार्थक आयु सत्यापन का अभाव है, जिससे लत और वित्तीय नुकसान का खतरा बढ़ जाता है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि शिकायतकर्ता ने एफआईएफएस की भूमिका पर सवाल उठाते हुए दावा किया है कि फैंटेसी खेल उद्योग में सर्वोत्तम प्रथाओं को बनाए रखने के अपने घोषित मिशन के बावजूद, एफआईएफएस स्पोटेर्सी जैसे प्लेटफार्मों को वैधता प्रदान कर रहा है जो राज्य के कानूनों का उल्लंघन करते हुए फैंटेसी खेलों की अनुमति देते हैं।

एफआईआर में स्पोटेर्सी के विज्ञापनों और सोशल मीडिया प्रचारों के लिंक भी शामिल हैं, जो प्लेटफॉर्म को एक फैंटेसी गेम के रूप में दशार्ते हैं, लेकिन वास्तव में सट्टेबाजी और दांव लगाने के व्यवहार को प्रोत्साहित करते हैं। शिकायत में उद्धृत गूगल समीक्षाएं आगे दावा करती हैं कि प्लेटफॉर्म धोखाधड़ी और भ्रामक प्रथाओं में संलग्न है।

जांच एएसआई रणवीर सिंह को सौंप दी गई है, और एफआईआर को आगे की कार्रवाई के लिए न्यायिक अधिकारियों को भेज दिया गया है।

स्टार यूनियन दाई-इची लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने पॉलिसीबाजार के साथ साझेदारी कर लॉन्च किया एसयूडी लाइफ निफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स पेंशन फंड

लोक प्रेरणा

गुरुग्राम। स्टार यूनियन दाई-इची लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एसयूडी लाइफ) ने पॉलिसीबाजार के साथ साझेदारी कर एसयूडी लाइफ निफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स पेंशन फंड पेश किया है। यह उच्च संभावनाओं वाला नया इक्विटी फंड एसयूडी लाइफ की यूलिप पेंशन योजना एसयूडी लाइफ पेंशन प्लस के लिए तैयार किया गया है। यह अभिनव फंड ग्राहकों को दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण का रणनीतिक विकल्प प्रदान करता है, जिससे वे अपने सेवानिवृत्ति के बाद की आर्थिक सुरक्षा को और अधिक मजबूत बना सकें।

एसयूडी लाइफ निफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स पेंशन फंड भारत की शीर्ष 300 कंपनियों में से चयनित 50 उच्च प्रदर्शन करने वाले शेयरों में निवेश करता है। यह फंड वित्तीय सेवाएं, उपभोक्ता वस्तुएं, पूंजीगत वस्तुएं एवं अधोसंरचना, स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी, तेल, धातु एवं खनन, ऑटोमोबाइल एवं सहायक उद्योग तथा निर्माण एवं रियल एस्टेट जैसे प्रमुख क्षेत्रों में रणनीतिक रूप से निवेश करता है। प्रत्येक तिमाही में पोर्टफोलियो का पुनर्मूल्यांकन किया जाता है जिससे यह बाजार के अनुकूल बना रहे। एसयूडी लाइफ का यह फंड "निफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स" को ट्रैक करता है, जो बारह वर्षों से बाजार में मौजूद है और इसका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। इस बेंचमार्क ने 30 अप्रैल 2025 तक के पाँच वर्षों में लगभग 33. 29 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्शाई है, जो इसकी मूल्य सृजन की क्षमता को दशार्ता है। रणनीतिक सेक्टर आवंटन और सख्त स्टॉक चयन के साथ यह फंड निवेशकों को भारत की प्रगति में भागीदार बनने का अवसर देता है।

इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर युवक को किया बदनाम, मामला दर्ज-फर्जी चैट व युवक की फोटो वायरल करने के बाद टूटा युवक का रिश्ता

लोक प्रेरणा

सतनाली। सतनाली निवासी प्रशांत राठौड़ ने बताया कि वह सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहा है। किसी व्यक्ति ने दो इंस्टाग्राम पर आईडी अलग-अलग नाम से बना रखी है तथा दोनों दोनो आईडी पर उसकी फोटो लगी हुई है। इन दोनो आई डी पर उसकी फोटो किसी अनजान लडकी के साथ फोटो जोडकर व एक फोटो रेवाड़ी जिला निवासी ज्योति की फोटो स्टोरी व पोस्ट पर डाली हुई है। इसके अलावा दोनो आईडी पर फेक चैट बनाकर उनके स्क्रीन शाट स्टोरी व पोस्ट पर लगा रखी है। ये फोटो स्टोरी व पोस्ट पर डालकर उसे निजी रिश्तेदारी व मेरे जान पहचान के लोगो के पास भेजकर बदनाम किया जा रहा है। इसकी वजह से उसका रिश्ता भी टूट गया है। पीड़ित ने संदेह जताया कि उसे रेवाड़ी जिला निवासी ज्योति ने उसे बदनाम करने के उदेश्य से उसकी फोटो किसी अन्य लडकी के साथ जोडकर व फेक चैट स्टोरी व पोस्ट पर डाल रखी है। पीड़ित ने बताया कि उसका पैतृक गांव ऊंचा जिला रेवाड़ी है तथा जिस भी व्यक्ति ने उसकी फोटो व नाम का प्रयोग करके व आई डी बनाकर तथा किसी अनजान लडकी के साथ उसकी फोटो जोडकर व फेक चैट स्टोरी व पोस्ट अपलोड किए है उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ टिप्पणियों पर मस्क ने जताया अफसोस

नई दिल्ली । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर हाल में दिए गए अपने बयानों पर टेस्ला के सीईओ और अरबपति एलन मस्क ने खेद जताया है। मस्क ने यह जानकारी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट के जरिए दीं।

मस्क और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हाल के दिनों में रिश्ते काफी अच्छे नहीं थे। दोनों एक दूसरे के खिलाफ जमकर बयानबाजी कर रहे थे। आखिरकार, मस्क ने अपनी गलती पर खेद जता दिया।

मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में लिखा, ह्लमुझे पिछले सप्ताह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बारे में अपनी कुछ पोस्ट पर पछतावा है। जो कुछ हुआ वह बहुत ज्यादा हो गया था।"

दरअसल, मस्क और ट्रंप के बीच विवाद तब बढ़ गया था जब मस्क ने डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) चीफ पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद मस्क ने ट्रंप के खर्च और टैक्स कटौती वाले विधेयक की कड़ी आलोचना की थी।

इतना ही नहीं, मस्क ने एक्स पर ट्रंप के इंपीचमेंट (महाभियोग) के समर्थन में पोस्ट किया था, हालांकि उसे बाद में डिलीट कर दिया। बात इतनी बढ़ी कि मस्क ने ट्रंप के जेफरी एपस्टीन से पुराने संबंधों का भी जिक्र किया, जिसे ट्रंप ने पुराना और झूठा मुद्दा

बताया। बाद में इस पोस्ट को भी डिलीट कर दिया गया।

तल्खी इस कदर बढ़ गई थी कि मस्क ने ये तक कह दिया था कि- मेरे बिना, ट्रंप चुनाव हार जाते।

मस्क के बयानों पर राष्ट्रपति ट्रंप ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने मस्क की कंपनियों को दी गई सब्सिडी और सरकारी अनुबंधों को रद्द करने की धमकी दे डाली थी। ट्रंप ने कहा था कि मस्क और मेरे बीच बहुत अच्छे संबंध थे। मुझे नहीं पता कि आगे भी हमारे संबंध अच्छे रहेंगे या नहीं। मैं एलन मस्क से बहुत निराश हूं। मैंने एलन की बहुत मदद की है। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप से माफी मांगने से पहले सात जून को मस्क ने संकेत दिया था कि वह एक नई राजनीतिक पार्टी बना सकते हैं। जिसका नाम 'द अमेरिका पार्टी' हो सकता है।

भारत में सभी राजनीतिक दल एकजुट नहीं हैं : तारिक अनवर

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की, जिसमें शशि थरूर और गुलाम नबी आजाद जैसे वरिष्ठ नेता शामिल थे। हालांकि, कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने इस बैठक को ह्यमहज औपचारिकताह्न करार दिया है। उन्होंने कहा कि इरादा यह दिखाने का था कि भारत में सभी राजनीतिक दल एकजुट हैं, जो हकीकत नहीं है।

कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, "मेरा मानना है कि यह महज औपचारिकता थी। इरादा यह दिखाने का था कि भारत में सभी राजनीतिक दल एकजुट हैं, जो हकीकत नहीं है। प्रतिनिधिमंडल ने विदेश से लौटने के बाद अपनी रिपोर्ट पेश की, लेकिन कोई ठोस उपलब्धि नहीं बताई।"

अनवर ने इसे कूटनीतिक असफलता बताया। उन्होंने कहा, "हमारा लक्ष्य पाकिस्तान को वैश्विक मंच पर अलग-थलग करना और उसकी आतंकवाद में भूमिका उजागर करना था, लेकिन यह मिशन पूरा नहीं हुआ। उल्टा, पाकिस्तान को यूएनएससी में सह-अध्यक्ष बनाया गया और उसे विश्व बैंक तथा आईएमएफ जैसे संस्थानों से फंड मिले।"

उन्होंने कहा कि भारत की कूटनीतिक कोशिशें वैश्विक नैरेटिव को बदलने में नाकाम रहीं। हमने प्रतिनिधिमंडल भेजा, ताकि पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बने, लेकिन कुछ नहीं बदला। यह अभ्यास रणनीतिक कम, औपचारिक ज्यादा रहा।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग पर तारिक अनवर ने कहा, "हम लगातार इसकी मांग कर रहे हैं। समझ नहीं आता कि प्रधानमंत्री इससे क्यों बच रहे हैं। यह एक बड़ी घटना थी, पहलगाम में आतंकी हमले में 26 निर्दोष भारतीयों की जान चली गई। फिर भी, हमलावर 300 किलोमीटर तक हमारी सीमा में घुस आए और अभी भी फरार हैं। उन्होंने हमला किया और भाग निकले। हमारी सेना, पुलिस और खुफिया एजेंसियां उन्हें पकड़ने में नाकाम रहीं। इतनी बड़ी सुरक्षा चूक की गहन जांच जरूरी है।"

इस बीच, विपक्ष सरकार पर दबाव बढ़ा रहा है। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, समाजवादी पार्टी और शिवसेना (यूबीटी) सहित 16 दलों के नेताओं ने 3 जून को नई दिल्ली में बैठक की और प्रधानमंत्री मोदी को एक संयुक्त पत्र सौंपा, जिसमें 'ऑपरेशन सिंदूर' और भारत की बदलती आतंकवाद-रोधी रणनीति पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की औपचारिक मांग की गई।

फ्रेंच एंबेसी वीजा घोटाले में सीबीआई ने 8 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट की दाखिल

नई दिल्ली । सीबीआई ने फ्रांस की एंबेसी में वीजा घोटाले के एक बड़े मामले में आठ आरोपियों के खिलाफ नई दिल्ली स्थित सीबीआई कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। आरोपियों में फ्रेंच एंबेसी के वीजा विभाग में कार्यरत लोकल लॉ ऑफिसर, उनके पिता, भाई और पत्नी, दो वीजा एजेंट और दो बिचौलिए शामिल हैं।

सीबीआई की इंटरनेशनल ऑपरेशंस डिवीजन ने नई दिल्ली स्थित फ्रांस दूतावास में वीजा धोखाधड़ी की सूचना के आधार पर यह मामला दर्ज किया था।

जांच में सामने आया कि जनवरी 2021 से मई 2022 के बीच आरोपी लोकल लॉ ऑफिसर ने पंजाब के वीजा आवेदकों को निशाना बनाकर एक नेटवर्क के जरिए उनसे शेंगेन वीजा दिलाने के नाम पर भारी रकम वसूली।

पंजाब स्थित वीजा एजेंटों के इस नेटवर्क ने प्रत्येक आवेदक से 13 लाख से 45 लाख रुपए तक वसूली और बदले में उनके वीजा आवेदन प्रोसेस करवा कर वीजा जारी कराया गया। वीजा जारी होने के बाद संबंधित दस्तावेजों और फाइलों को नष्ट कर दिया गया।

जांच के दौरान पंजाब और दिल्ली के कई स्थानों पर छापेमारी में करोड़ों रुपए की संपत्तियों से जुड़े

दस्तावेज और बड़ी मात्रा में नकदी बरामद हुई। दो वीजा एजेंट इस पूरे घोटाले के मुख्य साजिशकर्ता थे, जिन्होंने धन को कई बैंक खातों के जरिए घुमाकर आरोपी लॉ ऑफिसर और उनके परिवार तक पहुंचाया।

इसमें दो बिचौलिए भी शामिल थे।

आरोप पत्र में शुभम शौकीन, अभिषेक शौकीन, समुंदर सिंह, आरती चौधरी, बलविंदर सिंह बरतिया, प्रीतपाल सिंह, जशनदीप सिंह सिद्धू, भवन शौकीन के नाम शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपराध की संपत्ति का पता लगाने के लिए सीबीआई की इंटरनेशनल ऑपरेशंस डिवीजन और इंटरनेशनल पुलिस को-ऑपरेशन यूनिट ने समन्वय कर इस केस में भारत का पहला सिल्वर नोटिस प्रकाशित कराने में सफलता पाई। साथ ही अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर सीबीआई ने सबूत इकट्ठा किए।

ताइवान ने चालक दल के सदस्यों को बचाने पर भारत का जताया आभार

नई दिल्ली । ताइवान ने बुधवार को सिंगापुर के मालवाहक जहाज वान हाई 503 के 18 चालक दल के सदस्यों को बचाने के लिए भारत का आभार व्यक्त किया है। हाल ही में केरल तट से लगभग 70 समुद्री मील दूर मालवाहक जहाज में आग लग गई थी।

जहाज पर सवार 22 लोगों में से 18 चालक दल के सदस्यों को समुद्र में कूदने के बाद बचा लिया गया था, जबकि जहाज के अग्नि और सुरक्षा विभाग से जुड़े चार अन्य सदस्यों का पता लगाया जा रहा है।

दिल्ली में अवैध जुआ के धंधे का भंडाफोड़, पुलिस की छापे मारी में पांच महिला समेत 32 गिरफ्तार

श्याम कुमार बघेल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में मंगोलपुरी थाना पुलिस ने पीतमपुरा स्थित मैनसन होटल में छापेमारी कर जुआ खेलते हुए पांच महिला समेत 32 आरोपितों को पकड़ा है। पुलिस ने जुए के लिए दांव पर रखे गए एक लाख 56 हजार 710 रुपये, करीब 10 लाख 34 हजार रुपये के जुए के 1034 चिप्स बरामद किए गए हैं।

बाहरी दिल्ली जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि नौ जून की आधी रात के दौरान पुलिस को मैनसन होटल, पीतमपुरा में संचालित एक अवैध जुआ रैकेट के बारे में गुप्त सूचना पर जानकारी मिली थी। छापे के दौरान पांच महिलाओं सहित 32 व्यक्तियों को जुआ गतिविधियों में रंगे हाथ पकड़ लिया गया।

पुलिस ने सार्वजनिक जुआ अधिनियम की धारा 3,4,5 के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान प्रदीप, सचिन,लव चौधरी, गजेन्द्र,दीपक, जसप्रीत, धर्मेन्द्र, अनिल सोलंकी, शिवम सोलोंकी, रतनजोत मेहता, सतीश कुमार, छोटे लाल,अनुज गुप्ता,

मलकेश,राहुल,नरेंद्र शौकीन, विक्की धवन, मुकुल,शिवम कुमार, पंकन, वान, दीपक, मनोज, मनीष, राहुल बिष्ट समेत पांच महिलाओं के रूप में हुई है।

सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार इसी तरह उत्तर पश्चिम दिल्ली के मुकरबा चौक नियर रामगढ़ में अगर पुलिस छापे मारी करे तो जुआ सट्टे के धंधे का पदार्फाश हो सकता है रामगढ़ के ही सूत्रधार ने बताया कि यहां घर घर में सबसे बड़ा सट्टे का धंधा फल फूल रहा है।

ईआरडी फाउंडेशन और दिव्यांग समाजसेवी द्वारा की गई लोगों की मदद (आप) पार्षद भी रहे मौजूद

लोक प्रेरणा

नई दिल्ली। ईआरडी फाउंडेशन द्वारा दिव्यांग समाजसेवी दीपक कुमार द्वारा स्वरूप नगर के अंतर्गत बीमार बुजुर्गों, एवं दिव्यांगजनो की मदद करने के हेतु निःशुल्क व्हीलचेयर, वॉकर और छड़ी वितरण की गई आपको बता दे की इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में (आप) पार्षद जोगिन्दर बंटी राणा भी मौजूद रहे उन्होंने ईआरडी फाउंडेशन के दिव्यांग समाजसेवी दीपक कुमार के द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

दीपक कुमार खुद एक दिव्यांग होने के नाते दूसरे दिव्यांग और बुजुर्ग लोगों की लगातार इसी प्रकार से मदद करते रहते हैं और यह संस्था भी उनके द्वारा किए जा रहे इन सामाजिक कार्यों में हिस्सेदारी बनती है।

दीपक कुमार पहले भी लगातार इसी प्रकार से भलस्वा जहांगीरपुरी और अब स्वरूप नगर के दिव्यांग और बुजुर्गों के लिए प्रयासरत है, वह लगातार उनकी मदद ईआरडी फाउंडेशन के द्वारा करते हैं, पहले भी दीपक कुमार द्वारा ट्राय साईकिल, व्हीलचेयर, वॉकर,और छड़ी पहले भी कई जरूरतमंद लोगों को ईआरडी फाउंडेशन के माध्यम दिलवा चुके है। इस बार भी करीब 30 जरूरतमंद लोगों को यह सहायता प्रदान की गई है, इसके साथ ही उनका रोजगार चलाने हेतु सामाग्री भी दीपक मुहैया कराते है ताकि बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की रोजी रोटी चल सके, समाज को भी ऐसे ही लोगों की जरूरत है जो दूसरों के लिए एक मिसाल बन सके।

न्यायिक सक्रियता को न्यायिक आतंकवाद में नहीं बदलना चाहिए : सीजेआई गवई

नई दिल्ली। देश के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस बी. आर. गवई ने बुधवार को कहा कि भारत में न्यायिक सक्रियता का महत्व अवश्य है, लेकिन न्यायपालिका को उन सीमाओं का भी ध्यान रखना चाहिए, जहां उसका हस्तक्षेप अनुचित हो सकता है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, ह्लन्यायिक सक्रियता को न्यायिक आतंकवाद में नहीं बदलना चाहिए।

सीजेआई गवई ऑक्सफोर्ड यूनियन में एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा, ह्लकभी-कभी न्यायपालिका अपनी सीमाएं पार करने की कोशिश करती है और उन क्षेत्रों में प्रवेश कर जाती है, जहां सामान्यतः उसे नहीं जाना चाहिए।

हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि यदि विधायिका या कार्यपालिका नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा में विफल रहती है, तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना पड़ेगा। लेकिन, न्यायिक पुनरावलोकन की शक्ति का प्रयोग बहुत ही सीमित और अपवाद स्वरूप मामलों में किया जाना चाहिए।

सीजेआई गवई ने कहा, ह्लजब कोई कानून संविधान की मूल संरचना के विरुद्ध हो या मौलिक अधिकारों से सीधे टकराता हो या फिर यदि कोई कानून स्पष्ट रूप से मनमाना और भेदभावपूर्ण हो, तो न्यायालय इसमें हस्तक्षेप कर सकते हैं और उन्होंने ऐसा किया भी है।ह्व

अपने व्यक्तिगत अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के संविधान ने यह संभव बनाया है कि अनुसूचित जाति से आने वाला एक व्यक्ति, जिसे ऐतिहासिक रूप से ह्यअस्पृश्यह्न कहा जाता था, आज देश की सर्वोच्च न्यायिक पद पर बैठकर ऑक्सफोर्ड यूनियन को संबोधित कर रहा है।

सीजेआई ने भारतीय संविधान को ह्लस्याही में उकेरी गई एक शांत क्रांतिह्व करार दिया और कहा कि इसमें समाज के उन वर्गों की धड़कनें हैं, जिन्हें कभी सुना नहीं गया।

उन्होंने कहा, ह्लसंविधान केवल अधिकारों की रक्षा करने को नहीं कहता, बल्कि सक्रिय रूप से आगे बढ़ने, सशक्त करने और सुधारने के लिए भी बाध्य करता है।

प्रवीण खंडेलवाल ने पीएम मोदी के कार्यकाल को भारत का स्वर्णिम युग बताया

नई दिल्ली । भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल को स्वर्णिम युग बताया। उन्होंने पीएम के 11 साल के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि यह साल बेमिसाल रहा है। उन्होंने कहा कि 11 सालों में जिस प्रकार से अर्थव्यवस्था का विकास देश में हुआ है, उसे सीधे तौर पर भारत का स्वर्णिम युग कहा जा सकता है।

भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि अनेक योजनाओं से छोटे व्यापारियों के व्यापार को बड़ा करने की कहानी पिछले 11 सालों में लिखी गई है। महिलाएं बड़ी संख्या में उद्यमी बनें, यह प्रयास किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि अलग-अलग स्तर पर नए-नए विनिर्माण क्षेत्रों को बढ़ावा मिले, जिसके

जरिए रोजगार सृजन हो, यह प्रयास किया गया है। कुल मिलाकर के देश के आम उपभोक्ता की जेब से सामान खरीदने के लिए पैसा कम निकले, यह प्रयास इन 11 सालों में किया गया है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के शासन में महंगाई और बेरोजगारी दर कम हुई है। विनिर्माण क्षेत्र और सेवा क्षेत्र में बड़ा विकास हुआ है, जिसके कारण हमारी जीडीपी बढ़ी है और आम आदमी की क्रय ताकत बढ़ी है। कोई इस पर चर्चा करे तो हम आंकड़ों के साथ बात करेंगे। 11 साल के आंकड़े प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार के पक्ष में हैं। जो काम पिछले साल सत्तर सालों में सरकारें नहीं कर पाईं, वह काम मोदी सरकार ने ग्यारह वर्षों में किया है।

विदेश दौरे से लौटे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों की पीएम से हुई मुलाकात पर उन्होंने कहा कि सभी प्रतिनिधिमंडलों ने अपने अनुभव को प्रधानमंत्री के साथ साझा किया। यह बात तय है कि जितने भी नेता विदेश दौरे पर गए थे, कि चाहे वह पक्ष के हों या विपक्ष के, प्रत्येक नेता ने अपनी ओर से भारत की छवि को बेहतर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी और पाकिस्तान को आतंकवाद का अड्डा बताने में भी कोई कंजूसी नहीं की है। यह भारत के सभी प्रतिनिधिमंडलों की उपलब्धि है। एक अन्य सवाल, विपक्षी दलों द्वारा संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग पर उन्होंने कहा कि यह निर्णय सरकार का होता है कि विशेष सत्र कब बुलाया जाए, किस विषय पर बुलाया जाए।

एसीबी के द्वारा मनीष सिसोदिया से पूछताछ मामले में उन्होंने कहा कि वह कब तक बचते रहेंगे। वह कानून के पंजे से नहीं बच सकते, यह बात मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी के सभी लोगों को समझनी होगी। बेहतर यह है कि कानून का सम्मान करें और कोर्ट के सामने पेश हों।

स्वरूप नगर में गायत्री गौशाला के सामने युवक की पीट-पीट कर हत्या

लोक प्रेरणा

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के स्वरूप नगर इलाके में एक युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। बता दें कि बुधवार सुबह एक युवक का शव गायत्री गौशाला के सामने 25 फुटा रोड पर बरामद हुआ है।

मृतक के गले पर कट के साथ सिर, हाथ, गर्दन और पीठ पर चोटों के कई निशान मिले हैं, जिससे साफ लगता है कि उसकी बेरहमी से पिटाई की गई थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जहांगीरपुरी के बाबू जगजीवन राम अस्पताल में भेज दिया गया। क्राइम टीम और एफएसएल ने मौके का निरीक्षण कर अहम साक्ष्य जुटाए, जिन्हें पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। हालाँकि पुलिसिया जांच में लेन-देन के विवाद में हत्या की आशंका जताई जा रही है। मृतक की पहचान एक स्थानीय युवक के रूप में हुई है, जिस पर पचास हजार रुपये का कर्ज था। माना जा रहा है कि उसी विवाद के चलते उसकी हत्या की गई है। हालांकि पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीदों के बयान के आधार पर जांच शुरू कर दी है। कुछ संदिग्धों से पूछताछ भी की जा रही है।

सांसद मनोज तिवारी ने प्रेस वार्ता में गिनाई मोदी सरकार के विकसित भारत के अमृतकाल सेवा

सुशासन और गरीब कल्याण के 11 साल की उपलब्धियां

लोक प्रेरणा

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने आज उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने आज केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा बीते 11 वर्ष के अमृत काल की उपलब्धियां गिनाने के लिए उत्तर पूर्वी जिला के कार्यालय यमुना विहार में प्रेस वार्ता का आयोजन किया। प्रेस वार्ता में दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट विधायक अजय महावर जिला अध्यक्ष डॉ यू के चौधरी विनोद कुमार पूर्व जिला अध्यक्ष मनोज त्यागी उत्तर पूर्वी जिला के मीडिया प्रभारी दीपक चौहान भाजपा नेता अनिल वशिष्ठ कुमारी रिंकू आनंद त्रिवेदी दुष्यंत वर्मा राजकुमार झा भी मौजूद रहे। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि आजादी के बाद दशकों तक विकास की सुस्त पड़ी रफ्तार के लिए नरेंद्र मोदी सरकार के अमृत कल के यह 11 वर्ष संजीवनी साबित हुए हैं और आज देश हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि गरीबों और वंचितों की सेवा किसान समृद्धि संचार अमृत पीढ़ी का विकास नारी सशक्तिकरण की नई उड़ान मध्यम वर्ग परिवारों का जीवन खुशहाल करने की योजनाएं सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवा राष्ट्र सर्वोपरि की भावना के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रहित की विदेश नीति भारत का वैश्विक एवं आर्थिक महाशक्ति की

राह पर तेजी से आगे बढ़ना इस ऑफ डूइंग बिजनेस ढांचागत मजबूती और तेज गति से विकास का विस्तार भारत का तकनीकी दशक पूर्वोत्तर का विकास भारतीय संस्कृति और विरासत की रक्षा तथा उसका विकास एवं पर्यावरण की रक्षा करते हुए देश का सतत विकास इस अमृत कल का मजबूत आधार रहा है। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि 2014 से 2025 आजादी के बाद देश का वह 11 वर्ष का अमृतकाल है जब अंत्योदय को समर्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने गरीबों और वंचितों की सेवा की, 81 करोड़ से अधिक लोगों को गरीब कल्याण अन्य योजना के अंतर्गत मुफ्त राशन दिया 15 करोड़ से अधिक घरों को नल से जल का कनेक्शन दिया, पीएम सम्मान निधि योजना के तहत 68 लाख से अधिक रेहडी पटरी लगाने वालों लोगों को लोन दिया स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 12 करोड़ से अधिक शौचालय का निर्माण किया, पीएम आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक मकान का निर्माण कर बेघर लोगों को घर दिया, प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना के अंतर्गत 52.5 करोड़ से अधिक उद्यमियों को लोन दिया। पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने का काम सरकार ने किया। 14.700 करोड़ से अधिक लोगों को स्टैंड अप इंडिया से एससी/एसटी उद्यमियों को रन की सुविधा उपलब्ध कराई 20 करोड़ महिलाओं को कोविद लॉकडाउन में सीधी नकद सहायता की गई एससी एसटी ओबीसी वर्ग से मंत्रिमंडल में 60% मंत्रियों को स्थान दिया गया 112 आकांक्षी जिलों ने अपनी राज्य की औसत विकास दर को पार किया 2014 के बाद 4 गुना ज्यादा एकलव्य स्कूल मंजूर किए गए। पहले केंद्र से ?1 भेजा जाता था तो केवल 15 पैसा ही पहुंचता था अब डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर डिजिटल प्लेटफॉर्म और लक्षित योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति को समय पर मिल रहा है।

बालों के लिए वरदान से कम नहीं हैं ये 5 चीजें, पुराने जमाने से हो रही यूज

बालों का जड़ से झड़ना, कमजोर होकर बीच से टूटने लगना, हेयर लाइन पीछे होने लगना, बालों में डैमेज, स्कैल्प पर डैंड्रफ जैसी की समस्याएं ऐसी हैं जिससे अमूमन ज्यादातर लोगों को फेस करनी पड़ती हैं. इसके पीछे, पॉल्यूशन, तेज धूप से बालों को प्रोटेक्ट न करना, सही खानपान न होने की वजह से पोषक तत्वों की कमी, बालों को सही से साफ न करना, केमिकल वाले प्रोडक्ट इस्तेमाल करना जैसी वजहें होती हैं. आपको भी बालों से जुड़ी इनमें से कोई एक या इससे ज्यादा समस्याएं हैं तो सबसे पहले खानपान सुधारना चाहिए. वहीं केमिकल वाले प्रोडक्ट्स की बजाय नेचुरल चीजों पर ज्यादा फोकस करना चाहिए. इस आर्टिकल में जानेंगे ऐसी ही पांच चीजोंके बारे में काफी पुराने टाइम से बालों के लिए इस्तेमाल होती आ रही हैं.सोशल मीडिया पर वैसे तो नए-नए हैक्स की भरमार है और इंफ्लुएंसर्स को आप न जाने कितने महंगे-महंगे प्रोडक्ट्स का प्रचार करते देखते होंगे. इससे प्रभावित होकर लोग हजारों रुपये खर्च भी कर देते हैं और बढ़िया रिजल्ट भी नहीं मिलता है. आजमाए हुए नुस्खे रिजल्ट भी देते हैं और साइड इफेक्ट भी नहीं होता है, इसलिए जान लेते हैं ऐसी ही पांच चीजों के बारे में जो आपके बालों के लिए बेहद फायदेमंद हैं और कोई इफेक्ट की होने की संभवाना भी न के बराबर है.

आंवला खाने और लगाने के फायदे

बालों के लिए आंवला किसी वरदान से कम नहीं माना जाता है. इसे खाने से तो बाल मजबूत बनते ही हैं और ग्रोथ ही सुधरती है तो वहीं इसे अपने बालों में लगाने से भी आपको कई फायदे होंगे, जैसे स्कैल्प से डैंड्रफ रिमूव होगी और बालों का गिरना कम होगा, साथ ही बाल काले भी होते हैं.

भृंगराज है औषधीय गुणों से भरपूर

बालों के लिए भृंगराज का तेल भी आता है जो बेहद फायदेमंद माना जाता है, लेकिन मार्केट में मिलने वाला ऑयल मिलावटी भी हो सकता है. ऐसे में या तो किसी विश्वसनीय ब्रांड से ही इसे खरीदना चाहिए या फिर इस पौधे के पत्ते आप बालों में अप्लाई कर सकते हैं जो बालों का झड़ना कम करने से लेकर ग्रोथ अच्छी करने तक में हेल्पफुल रहता है.

बालों के लिए मेथी दाना

मेथी दाना भी आपके बालों के लिए कमाल के फायदे करता है. इससे आपकी स्कैल्प भी क्लियर होगी और साथ ही बालों का झड़ना, टूटना भी कम होता है साथ ही इससे बाल मुलायम भी बनते हैं. इसका पानी जड़ों में लगाया जा सकता है या फिर इसे पीसकर जड़ों से सिरों तक अप्लाई करना चाहिए. इसे मेहंदी के साथ भी मिलाकर लगा सकते हैं.

शिकाकाई-रीठा

आज के टाइम में ज्यादातर लोग शैंपू का इस्तेमाल करने लगे हैं, जिनमें कई केमिकल होते है. वहीं पहले के टाइम में लोग शिकाकाई और रीठा का इस्तेमाल बालों को धोने में करते थे. इसमें आंवला भी मिलाया जाता था. रीठा बालों की गंदगी हटाने का काम करता है तो वहीं शिकाकाई, आंवला बालों का झड़ना, डैंड्रफ जैसी समस्याओं से निजात दिलाते हैं.

प्याज का रस लगाएं

बालों के लिए प्याज का रस भी फायदेमंद रहता है. ये बालों का झड़ना काफी हद तक कम कर सकता है और यही वजह है कि इसका इस्तेमाल हेयर केयर प्रोडक्ट्स में किया जाने लगा है. मार्केट में प्याज का तेल भी आने लगा है. आप इसे सीधे इस्तेमाल कर सकते हैं. शैंपू से एक घंटे पहले स्कैल्प पर प्याज का रस लगाएं और फि हेयर वॉश कर लें.

भारत में बढ़ते आयात से स्थानीय विनिर्माण को भारी नुकसान

आयात करके प्रसन्न रहने वाली सरकार की उदार निवेश नीति, विशेष रूप से विनिर्माण में, की अनुपस्थिति में तथाकथित %मेक-इन-इंडिया% पहल को बहुत कम सफलता मिली, जो विदेशी औद्योगिक निवेशकों को भारत की ओर आकर्षित कर सकती थी, जैसा कि उन्होंने कई वर्षों तक कम्युनिस्ट चीन में किया था। विदेशी निवेशकों को सरकार के राजनीतिक रंग में कोई दिलचस्पी नहीं है।भारत के आर्थिक विकास के आंकड़े घरेलू विनिर्माण, औद्योगिक उत्पादन और रोजगार सृजन से तेजी से अलग होते जा रहे हैं। पिछले वित्त वर्ष के दौरान देश की 6.5 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि में विनिर्माण क्षेत्र का अत्यल्प योगदान रहा, जो चार वर्षों में सबसे ऊपर था। पिछले साल अच्छे मानसून के बावजूद, दूसरी छमाही (अक्टूबर-मार्च) में देश के कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर 3.5 प्रतिशत रही। 2024-25 के लिए औद्योगिक विकास दर केवल 4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछले चार वर्षों में सबसे कम है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2025 में देश का औद्योगिक उत्पादन आठ महीने के निचले स्तर 2.7 प्रतिशत पर आ गया। तब फिर देश की जीडीपी वृद्धि को कौन आगे बढ़ा रहा है? जाहिर है, देश का कम भरोसेमंद विशाल सेवा क्षेत्र, जिसे भारी आयात आधार दे रहा है।विडंबना यह है कि पिछले वित्त वर्ष में भारत के कुल आयात में 6.85 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी, जो देश की जीडीपी वृद्धि दर से थोड़ा अधिक है। इससे कुछ हद तक गलत धारणा बन सकती है कि जीडीपी वृद्धि आयात वृद्धि से जुड़ी हुई है। अनियंत्रित आयात, मुख्य रूप से चीन से, भारत की घरेलू उत्पादन पहल और देश के नयी नौकरी सृजन एजेंडे को कमजोर कर रहे हैं। भारत से चीन को आयात तेजी से घट रहा है।पिछले वित्त वर्ष में, चीन से भारत का आयात 113 अरब डॉलर से अधिक था, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 11.5 प्रतिशत अधिक था। चीन से आयात किये जाने वाले शीर्ष उत्पादों में विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मशीनरी, कार्बनिक रसायन और प्लास्टिक शामिल थे, जिनमें से अधिकांश का निर्माण भारत में किया जाना चाहिए था। इस वृद्धि ने भारत के व्यापार घाटे को बढ़ाने में योगदान दिया। इसके विपरीत, चीन को भारत का माल निर्यात पिछले साल के 16.66अरब डॉलर से घटकर केवल 14.25 बिलियन डॉलर रह गया।

निर्यात-प्रधान चीन भारत से कुछ भी आयात करना पसंद नहीं करता है। सरकार में कोई भी व्यक्ति देश में साल दर साल, खास तौर पर चीन से आयात में हो रही भारी वृद्धि के बारे में चिंतित नहीं दिखता। आयात ज्यादातर घरेलू उत्पादन और स्थानीय नौकरियों की कीमत पर होता है। कोई भी देश केवल माल का आयात नहीं करता। वह श्रम का भी आयात करता है, जो आयातित उत्पादों के निर्माण में जाता है। चीन भारत का शीर्ष आयात स्रोत बना हुआ है, जो किसी भी एक देश से अब तक का सबसे बड़ा आयात स्रोत है।पिछले वित्त वर्ष में, भारत का कुल आयात बढ़कर 915.19अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। यह वृद्धि उच्च माल आयात द्वारा संचालित थी, जो 720.24अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गयी, जो पिछले वित्त वर्ष में 678.21अरब अमेरिकी डॉलर की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि थी। सरकार का कोई भी विभाग वर्तमान भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय सरकार के संचालन के बाद से कम और धीमी घरेलू औद्योगिक उत्पादन और घटती हुई नौकरी वृद्धि दर की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। सरकार एक सपने के सौदागर की तरह काम कर रही है, जिसे अक्सर भारत की दीर्घकालिक आर्थिक संभावनाओं का पूर्वानुमान लगाने और उस पर ध्यान केंद्रित करने में व्यस्त देखा जाता है।आयात करके प्रसन्न रहने वाली सरकार की उदार निवेश नीति, विशेष रूप से विनिर्माण में, की अनुपस्थिति में तथाकथित मेक-इन-इंडिया पहल को बहुत कम सफलता मिली, जो विदेशी औद्योगिक निवेशकों को भारत की ओर आकर्षित कर सकती थी, जैसा कि उन्होंने कई वर्षों तक कम्युनिस्ट चीन में किया था। विदेशी निवेशकों को सरकार के राजनीतिक रंग में कोई दिलचस्पी नहीं है। 2025 के पहले तीन महीनों में, चीन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 36.9अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर था।पूरे 2024-25 के दौरान भारत में मात्र 0.4अरब डॉलर के एफडीआई प्रवाह के आकलन पर विचार करें। एक साल पहले यह 10.1अरब डॉलर था। गत वर्ष का आंकड़ा शायद देश के वार्षिक एफडीआई प्रवाह रिकॉर्ड में सबसे खराब प्रदर्शन है, जबकि सरकार भारत वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरने की बात करती रहती है। भारत के अपने औद्योगिक उद्यमी देश में बहुत कम निवेश कर रहे हैं। इसके बजाय, वे विदेश में निवेश करने में लिप्त हैं सिंगापुर, अमेरिका, यूएई, मॉरीशस और नीदरलैंड ने मिलकर ओवरसीजएफडीआई (ओएफडीआई)में आधे से अधिक की वृद्धि की।देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केवल चार प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वृद्धि मार्च 2024 में दर्ज 5.5 प्रतिशत से कम है। विनिर्माण क्षेत्र में और मंदी का अनुभव हुआ, जो वर्ष के लिए 4.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2023-24 में 12.3 प्रतिशत से काफी कम है। मार्च 2025 में आईआईपी में केवल तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई। पिछले वित्तीय वर्ष की अप्रैल-अक्तूबर अवधि के दौरान औद्योगिक उत्पादन में चार प्रतिशत की वृद्धि हुई। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत से कम बनी हुई है। विजुअल कैपिटलिस्ट के अनुसार, चीन के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण की हिस्सेदारी 2025 में वैश्विक विनिर्माण उत्पादन का लगभग 29 प्रतिशत होने का अनुमान है। यह वैश्विक विनिर्माण में चीन के महत्वपूर्ण प्रभुत्व को बढ़ाता है, जो संभावित रूप से अमेरिका और उसके सहयोगियों के संयुक्त हिस्से से मेल खाता है या उससे अधिक है। विशेष रूप से, चीन के बारे में अनुमान है कि वह4.8 ट्रिलियन डॉलर का विनिर्माण उत्पादन करता है, जो वैश्विक मूल्य का 29 प्रतिशत है।दो महीने से भी कम समय पहले, भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि देश अगले दो दशकों में अपने विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 23 प्रतिशत करने की योजना बना रहा है, जिसका उद्देश्य रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को गति देना है। कैलिफोर्निया के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में हूवरइंस्टीट्यूशन में बोलते हुए, वित्त मंत्री ने कहा था कि-भारत जीडीपी में विनिर्माण की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा घटक, चिकित्सा उपकरण, बैटरी और चमड़ा और कपड़ा सहित श्रम-गहन उद्योगों जैसे 14 पहचाने गये उभरते क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।हालांकि, इन उद्योगों में से, सेमीकंडक्टर केवल भारत में एक उभरता उद्योग प्रतीत हो सकता है। संयोग से, वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग का वर्तमान स्वरूप लगभग 70 वर्ष पुराना है। पहला व्यावसायिक रूप से उपलब्ध माइक्रो प्रोसेसर, इंटेल 4004, 1971 में जारी किया गया था। भारत को चालू वर्ष के अंत तक विदेशी इक्विटी और तकनीकी नियंत्रण के तहत अपना पहला स्थानीय रूप से उत्पादित सेमीकंडक्टर चिप लॉन्च करने की उम्मीद है। भारत सेमीकंडक्टर का एक प्रमुख आयातक है। इसका स्थानीय अंतिम उपयोग बाजार 2025 में 54 अरब से दोगुना होकर 2030 तक 108 अरब हो जाने का अनुमान है। हाल ही में, सरकार के अत्यधिक उदार निवेश प्रोत्साहनों से घरेलू सेमीकंडक्टर उत्पादन को बढ़ावा देने में विदेशी कंपनियों को मदद मिलने की उम्मीद है।हाल ही तक, सरकार देश के औद्योगिक और विनिर्माण आधारों को मजबूत करने के बारे में बहुत लापरवाह दिखी। 2014-15 में भी, जब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार केंद्र में सत्ता में आयी (26 मई, 2014), तब भारत के विनिर्माण क्षेत्र ने देश के सकल घरेलू उत्पाद में 16.3 प्रतिशत का योगदान दिया था। जबकि सरकार की बहुचर्चित %मेक-इन-इंडिया% नीति सितंबर 2014 में शुरू की गयी थी, जिससे इसके हिस्से को तेजी से आगे बढ़ाने की उम्मीद थी, लेकिन बाद में सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान मुख्य रूप से कार्यक्रम के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता की कमी और पिछले कुछ वर्षों में अनियंत्रित आयात वृद्धि के कारण कम हो गया। इससे यह स्पष्ट होता है.

संपादकीय

महाकुंभ भगदड़ पर नए सवाल

जनता की सहनशक्ति, उसकी कमजोर स्मरणशक्ति या अन्याय के आगे खामोश रहने की आत्मघाती प्रवृत्ति, कारण जो भी हो, लेकिन ऐसी ही किसी वजह से देश में मानवनिर्मित (सरकार निर्मित पढ़ा जाए) आपदाएं थम ही नहीं रही हैं। छह महीने पहले महाकुंभ में भगदड़ मची थी, वह भी ऐसी ही एक आपदा थी। भाजपा सरकार ने इस महाकुंभ का आयोजन कुछ इस अंदाज में किया था मानो देश में मोदीजी सत्ता में हैं तो महाकुंभ का योग बना, अन्यथा नक्षत्र-तारे तो अपनी चाल बदल लेते। 144 साल बाद महाकुंभ का अद्भुत संयोग बना है, यही श्रद्धालुओं को बताया गया। देश ही नहीं विदेशों से भी आध्यात्म का सुख लेने लोग आ रहे हैं,

इस बात को सगर्व सरकार और मीडिया ने प्रस्तुत किया। यानी कुंभ में डुबकी लगाने वाले तो सांसारिक मोह-माया से ऊपर उठे, मगर सरकार इसी में खुश होती रही कि कितने विदेशियों ने यहां डुबकी लगाई। पूरे देश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज पहुंचे थे। बहुतों को धर्म का पालन करना था, बहुतों को भेड़ चाल का हिस्सा बनना था कि जब इतने लोग पहुंच रहे हैं तो हम भी पहुंच जाए। सरकार चाहती भी यही थी कि महाकुंभ के लिए रिकार्डतोड़ आगंतुक पहुंचें। रोजाना आंकड़े पेश होते थे, आज इतने लाख लोगों ने डुबकी लगाई, आज इतने लाख लोग और पहुंच गए। बताया गया कि करीब 7 हजार करोड़ रुपए महाकुंभ के आयोजन में खर्च हुए और 66 करोड़ लोग 45 दिन में पहुंचे।सब कुछ अच्छे से चल रहा था और सरकार चाहती भी यही थी कि इस सफल आयोजन की गूंज पूरी दुनिया में जाए। दुनिया के उन्नत देश ओलंपिक, फुटबॉल वर्ल्ड कप जैसे आयोजनों से जब अपनी धाक जमा सकते हैं,

तो भारत महाकुंभ के जरिए अपनी धूम मचाना चाहती थी। लेकिन 29 जनवरी को मची भगदड़ ने महाकुंभ की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। पहले तो उप्र सरकार ने यह स्वीकार ही नहीं किया था कि भगदड़ हुई है, जबकि दिल्ली से प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ने मृतकों के लिए श्रद्धांजलि पेश कर दी। इसके बाद सरकार ने माना कि भगदड़ हुई है, लेकिन उसमें कितने हताहत हुए, यह आंकड़े पहले पेश नहीं किए गए। जो पेश हुए, उनकी सच्चाई पर सवाल उठे। क्योंकि जहां एक साथ लाखों लोग मौजूद थे, वहां मौतों का आंकड़ा 37 बताया गया, जबकि कई पत्रकारों ने कहा था कि उन्होंने मुर्दाघरों में कहीं ज्यादा लाशें गिनी हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी जब राज्यसभा में कुंभ में हजारों मौतों का हवाला दिया था तो भाजपा सांसदों ने उन्हें टोका था कि वे गलत कह रहे हैं। तब श्री खड़गे ने कहा था कि आप सही आंकड़े बता दीजिए। लेकिन संसद में इस पर मोदी सरकार ने चर्चा होने ही नहीं दी और उप्र विधानसभा में आदित्यनाथ योगी ने 37 मौतों का आंकड़ा दिया, साथ ही बताया कि इन्हें मुआवजा भी दिया गया है।

लेकिन अब मीडिया संस्थान बीबीसी की रिपोर्ट ने महाकुंभ पर नए सवाल खड़े किए हैं। बीबीसी ने महाकुंभ की भगदड़ में प्रभावित लोगों के परिजनों से मुलाकात की, 11 राज्यों में 50 से अधिक जिलों में करीब सौ परिवारों से बीबीसी रिपोर्ट्स ने मुलाकात की, तब पता चला कि कम से कम 82 लोगों की मौत भगदड़ में हुई है। इन 82 मौतों को बीबीसी ने मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में बांटा है. पहली श्रेणी उन मृतकों की है, जिनके परिजनों को 25-25 लाख रुपए का मुआवज़ा दिया गया। दूसरी श्रेणी उन मृतकों की है जिनके परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए नकद दिए गए। वहीं तीसरी श्रेणी में ऐसे मृतकों को रखा गया है जिनके परिजनों को कोई आर्थिक सहायता नहीं मिली है। गौरतलब है कि योगी सरकार ने 36 परिवारों को 25 लाख डिजीटल तरीके या चैक से मुआवजे के तौर पर दिए, वहीं 26 परिवारों को नकद में मुआवजा दिया गया है, ऐसा बीबीसी का दावा है। इसके बदले उनसे फर्जी कागजों पर हस्ताक्षर कराए गए, जिनमें मौत का कारण बदल दिया गया है।यह बेहद गंभीर खुलासा है और इस पर बाकायदा ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स की जांच होनी चाहिए क्योंकि सरकारी खजाने से निकली हरेक पाई का हिसाब होता है, ऐसे में अगर नकद से 26 परिवारों को मुआवजा दिया गया है

डिजिटल क्रांति की कथा सुनाने लगे गांव

भारत के दूरसंचार और इंटरनेट उपयोग में पिछले 11 वर्षों में आई क्रांति का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि प्रति उपयोगकर्ता डाटा खपत 2014 में जहां 61 एमबी हुआ करती थी, आज 2025 में 21.5 जीबी हो चुकी है।

आज गलवान और सियाचिन जैसे दुर्गम इलाकों में तैनात हमारे सैनिक इंटरनेट की तेज स्पीड के साथ पूरी दुनिया से जुड़ रहे हैं। जो कभी बर्फीली खामोशियों में रहते थे, वे अब हाई-स्पीड इंटरनेट से संवाद कर रहे हैं। देश के पूर्वोत्तर का व्यापारी वैश्विक बाजार तक पहुंच रहा है, तो छत्तीसगढ़ के जंगलों में रहने वाले छात्र ऑनलाइन पढ़ाई से अपने सपनों को ऊंची उड़ान दे रहे हैं। यह सिर्फ कनेक्टिविटी नहीं, मनोबल बढ़ाने वाली क्रांति है।यह बदलाव अचानक नहीं आया है, यह उस संकल्प की परिणति है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2014 में 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' के रूप में लिया था। बीते 11 वर्षों में दूरसंचार क्षेत्र में लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों ने एक नई डिजिटल क्रांति को जन्म दिया, जो न केवल शहरों को, बल्कि गांवों, सीमाओं व जंगलों को भी जोड़ रही है। आज, जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है, तो इस यात्रा में मजबूत दूरसंचार तंत्र व भरोसेमंद इंटरनेट कनेक्टिविटी एक सशक्त उत्प्रेरक की भूमिका निभा रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने सिर्फ तकनीकी विकास नहीं, बल्कि तकनीक के माध्यम से जन-सशक्तीकरण का नया अध्याय रचा है।भारत के दूरसंचार और इंटरनेट उपयोग में पिछले 11 वर्षों में आई क्रांति का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि प्रति उपयोगकर्ता डाटा खपत 2014 में जहां 61 एमबी हुआ करती थी, आज 2025 में 21.5 जीबी हो चुकी है। मेगाबाइट से गीगाबाइट तक की यह वृद्धि 'डिजिटल इंडिया' की नींव बन रही है। मात्र 11 साल में ब्रॉडबैंड कनेक्शन में 1,449 फीसदी की अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई, जिसकी संख्या आज 95 करोड़ है। मार्च 2014 से मार्च 2025 तक भारत में टेलीफोन कनेक्शन की संख्या 93.3 करोड़ से बढ़कर 120.167 करोड़ हो गई है, जिसमें मोबाइल उपयोगकर्ताओं की संख्या 115.786 करोड़ है। आज भारत, विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता बन चुका है। यहां बिकने वाले 99.2 प्रतिशत मोबाइल देश में ही बनते हैं। एक समय था, जब एक जीबी डाटा के लिए उपभोक्ताओं को 268.97 रुपये चुकाने पड़ते थे, लेकिन आज वह मात्र 9.34 रुपये में उपलब्ध है, यानी 96 प्रतिशत की अभूतपूर्व गिरावट हमारे 'सर्वव्यापी कनेक्टिविटी' को शक्ति दे रही है।ग्यारह साल पहले प्रधानमंत्री मोदी ने जब देश की बागडोर संभाली, तब भारत के लाखों गांव इंटरनेट कनेक्टिविटी से अछूते थे। प्रधानमंत्री जानते थे कि यदि भारत को 21वीं सदी में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभानी है, तो प्रत्येक गांव, पंचायत और कस्बे को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना होगा। इसी दृष्टि से 'भारत नेट परियोजना' शुरू की गई, जो विश्व की सबसे बड़ी ग्रामीण टेलीकॉम कनेक्टिविटी परियोजना है। इसके पहले चरण में 2.14 लाख ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड से जोड़ा जा चुका है, अगले चरण में और 2.64 लाख ग्राम पंचायतों को डिजिटल नेटवर्क से जोड़ने का लक्ष्य है। इन उपलब्धियों से भारत में एक विशाल डिजिटल हाईवे का निर्माण हुआ है, जिसके लाभ आज देश के हर कोने में महसूस किए जा रहे हैं।दूरसंचार का महत्व केवल फोन, टीवी या कंप्यूटर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह परिवर्तन का एक सशक्त उपकरण बन चुका है। जन-धन, आधार और मोबाइल (जैम) ट्रिनिटी ने डिजिटल वित्तीय समावेशन में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं। आज इसी डिजिटल हाईवे के माध्यम से भारत वैश्विक डिजिटल पेमेंट्स में 46 प्रतिशत योगदान दे रहा है, जो देश की तकनीकी क्षमताओं और जन-सहभागिता का सशक्त प्रमाण है।ट्रैफिक के बढ़ते दबाव के अनुरूप इस सरकार ने लगातार तकनीकी नवाचार करते हुए देश की इंटरनेट कनेक्टिविटी को आधुनिक व सक्षम बनाए रखा है। इस प्रयास के केंद्र में है हमारा स्वदेशी संचार नायक- बीएसएनएल। 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत सरकार द्वारा किए गए ठोस प्रयासों के फलस्वरूप यह एक बार फिर मजबूती से उभर रहा है। 17 वर्षों में पहली बार इसने लगातार दो वित्तीय तिमाही में शुद्ध लाभ दर्ज किया है। देश भर में 93,000 से अधिक 4जी टावर की स्थापना के साथ बीएसएनएल अपने उपयोगकर्ताओं को सुलभ और निर्बाध 4जी कनेक्टिविटी उपलब्ध करा रहा है, वह भी पूर्ण स्वदेशी तकनीक के माध्यम से।बीएसएनएल ने महज 22 महीनों में देश का पहला पूर्ण स्वदेशी 4जी स्टैक विकसित किया, जिससे भारत उन पांच देशों की सूची में शामिल हो गया है, जो यह तकनीकी आत्मनिर्भरता प्राप्त कर चुके हैं। जनता के इस भरोसे और समर्थन ने बीएसएनएल को यह ऐतिहासिक सफलता दिलाई है, जो 'डिजिटल इंडिया' के आत्मनिर्भर संचार तंत्र की एक बड़ी उपलब्धि है।इसी संचार क्रांति की अगली कड़ी में अब डाक विभाग भी तकनीक और सेवा के क्षेत्र में एक नई भूमिका निभा रहा है। एक समय था, जब डाक विभाग को केवल पत्र लाने-ले जाने तक सीमित माना जाता था, पर आज यह विभाग ग्रामीण भारत की जीवन-रेखा के रूप में उभर रहा है। 1.6 लाख से अधिक डाकघरों के व्यापक नेटवर्क के साथ इसे एक सशक्त लॉजिस्टक्स और सेवा प्रदाता संगठन के रूप में बदला जा रहा है।इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से बैंकिंग सेवाएं अब देश के कोने-कोने तक पहुंच चुकी हैं। यह बदलाव इतना व्यापक है कि अब 'डाकिया डाक लाया' की पारंपरिक छवि की जगह 'डाकिया बैंक लाया' की नई पहचान ने ले ली है। यह परिवर्तन सिर्फ सेवा का नहीं, बल्कि सशक्तीकरण का माध्यम बन गया है, जहां ग्रामीण भारत को अब शहरों की ओर देखने की जरूरत नहीं, बल्कि गांव अब डिजिटल भारत की गति को संबल दे रहे हैं। सरकार डाक विभाग को देश की आर्थिक आधारशिला का हिस्सा बनाते हुए इसे एक वित्तीय महाशक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में तेजी से अग्रसर है।ग्रामीण विकास के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता का ही यह परिणाम है कि गांव में बैठे-बैठे आम जनता सुविधाजनक तरीके से न सिर्फ सरकारी सुविधाओं का लाभ ले पा रही है, बल्कि राष्ट्र के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही है। युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए अब बड़े शहरों पर आश्रित नहीं होना पड़ता, क्योंकि उनके गांव में सुलभ मजबूत कनेक्टिविटी और ऑनलाइन कक्षाएं उनके लिए नित नए द्वार खोल रही हैं। व्यापारियों को अब बैंकों के चक्कर नहीं काटने पड़ते, क्योंकि इंटरनेट के माध्यम से सभी लेन-देन और हिसाब ऑनलाइन ही हो जाता है।प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश को डिजिटल कनेक्टिविटी में विश्व-स्तरीय सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए प्रतिबद्ध रही है और पिछले 11 वर्ष इसकी अभूतपूर्व सफलता के गवाह रहे हैं।

न्यूज फ्लैश

प्राधिकरण की 218वीं बोर्ड बैठक आज, बैठक में 27 प्रस्ताव रखे जाएंगे

नोएडा। प्राधिकरण में आज 218वीं बोर्ड बैठक होगी। बैठक में 27 प्रस्ताव रखे जाएंगे। जिन पर मुहर लगेगी। बैठक की अध्यक्षता मुख्य सचिव मनोज सिंह करेंगे। बैठक शाम पांच बजे होगी। जिसमें मुख्य सचिव ऑनलाइन जुड़ेंगे।

प्राधिकरण ने बताया कि बैठक में वित्त विभाग का एक प्रस्ताव, ग्रुप हाउसिंग के दो प्रस्ताव, वाणिज्यिक का तीन प्रस्ताव, संस्थागत के पांच प्रस्ताव के अलावा आवासी ये तीन प्रस्तावों के अलावा कार्मिक और नोएडा ग्रेटर नोएडा यमुना में जीसीसी मोड पर चलने वाली 500 ई बसों के लिए कंपनियों के द्वारा दिए गए सुझावों पर चर्चा होगी।

प्राधिकरण ने बताया कि यूनिफाइड पॉलिसी के अंतर्गत कैपिटल कास्ट की गणना में संशोधन प्रस्तुत किया जाएगा। जिस पर मुहर लगेगी।

इसके अलावा वाणिज्यिक बिल्डर भूखंड कर योजना 2025-26 के तहत 20 हजार वर्गमीटर से कम और 20 हजार वर्गमीटर से अधिक से भूखंडों की योजना, अस्पताल और स्कूल के भूखंड जिनका आवंटन साक्षात्कार के जरिए किया जाएगा इनके प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके अलावा जर्जर बहुमंजिला आवासी इमारतों के पुनर्विकास के लिए नई नीति तैयार की जाएगी।

मिश्रित भू उपयोग के लिए बढ़ेगा कन्वर्जन चार्ज प्राधिकरण अपने वित्तीय हितों को लेकर भी आवासीय और औद्योगिक भूखंडों में मिश्रित भू उपयोग के लिए कन्वर्जन चार्ज संबंधित सेक्टर की वाणिज्यिक आवंटन दर व आवासी या औद्योगिक आवंटन दर के अंतर का 10 प्रतिशत की बजाय 50 प्रतिशत धनराशि एक मुश्त लिए जाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। 500 बसों की आरएफपी में संशोधन वहीं सेक्टर-145 में 5 प्रतिशत आबादी भूखंड को डेवलप किया जाएगा। सेक्टर-164 में औद्योगिक भूखंडों को इलेक्ट्रानिक यूनिट के लिए आवंटित करने से संबंधित प्रस्तावों पर चर्चा होगी। इसके अलावा सिविल से सेक्टर-96 प्रशासनिक भवन के निर्माण व शहर में चलने वाली 500 ई बसों को लेकर आरएफपी में संशोधन किया जाएगा।

भूमिगत जलाशयों की सफाई जारी, अब तक 14 जलाशय की हुई सफाई, ग्रेनो प्राधिकरण की एसीईओ ने जलाशय की सफाई शीघ्र पूरा करने के दिए निर्देश

लोक प्रेरणा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडावासियों को स्वच्छता पानी की आपूर्ति के मद्देनजर प्राधिकरण भूमिगत जलाशयों की सफाई करा रहा है। जलाशयों की सफाई बीते माह से ही चल रही है। अब तक 14 जलाशयों की सफाई हो चुकी है। पांच जलाशय की सफाई बाकी है। 06 जुलाई तक सभी जलाशयों की सफाई हो जाएगी।

इन जलाशयों की सफाई के लिए तय शेड्यूल प्राधिकरण पहले ही जारी कर चुका है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने स्वच्छ जलापूर्ति के लिए जल विभाग को सभी भूमिगत जलाशयों की सफाई कराने के निर्देश दिए हैं। जल विभाग ने जलाशयों की सफाई के लिए तिथिवार शेड्यूल जारी कर सफाई शुरू करा दी है। शेड्यूल को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया है। जलाशयों की सफाई के दौरान संबंधित एरिया में पानी का प्रेशर कम रहता है। इसके लिए प्राधिकरण ने टैंकर का भी इंतजाम किया है। टैंकर मंगवाने के लिए जल विभाग की तरफ से संपर्क नंबर भी जारी कर दिए गए हैं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह ने मंगलवार को जलाशयों की सफाई की प्रगति रिपोर्ट को देखा और तय शेड्यूल के मुताबिक जलाशयों की सफाई शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए।

शेष भूमिगत जलाशयों की सफाई के लिए शेड्यूल

तिथि------प्रभावित एरिया

13 से 15 जून-सेक्टर म्यू-1 ईब्ल्यूएस सोसायटी

17 से 19 जून-सेक्टर-36 और 37

22 से 24 जून-गामा वन, टू, बीटा वन, टू

26 से 28 जून-अल्फा वन व टू

30 जून से 2 जुलाई-डेल्टा वन, टू व थ्री

04 से 06 जुलाई-ग्रेटर नोएडा स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स

पानी की दिक्कत हो तो इन नंबरों पर करें कॉ

पानी की दिक्कत होने पर टैंकर मंगवाने के लिए ग्रेटर नोएडा के निवासी इन नंबरों पर कॉल कर सकते हैं। (7983604110, 9811839456, 9873763995, 9899331572, 9654302913, 8130504019, 8377911380, 9871090100 और 8859285804)

मेट्रो हॉस्पिटल में लगी आग, बड़ा हादसा टला, फिजियोथैरेपी यूनिट तक सिमटी रही लपटें

नोएडा, सेक्टर-11 से रिपोर्ट

लोक प्रेरणा

नोएड़ा।

बुधवार को सेक्टर-11 स्थित मेट्रो हॉस्पिटल एसएसएचहमें आग लगने से हड़कंप मच गया। यह आग अस्पताल के मुख्य भवन से अलग बने फिजियोथैरेपी यूनिट में लगी थी, जिससे अस्पताल का मुख्य हिस्सा सुरक्षित रहा और किसी मरीज को शिफ्ट करने की आवश्यकता नहीं पड़ी। मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि आग जिस हिस्से में लगी थी वह अस्पताल के मुख्य भवन से अलग था, जिससे धुंआ भीतर नहीं पहुंच पाया और जनहानि नहीं हुई।

हॉस्पिटल कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू पाने की कोशिश की, जिससे लपटें ज्यादा फैल नहीं सकीं। फायर सर्विस टीम ने स्मोक एक्सट्रैक्शन सिस्टम के जरिए धुएं को बाहर निकाला और स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित कर लिया।

दमकल विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस घटना में कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ और स्थिति अब पूरी तरह सामान्य है।

डीएम ने लिफ्ट पंजीकरण को लेकर आरडब्ल्यूए व सोसाइटी प्रतिनिधियों संग की समीक्षा बैठक

गौतमबुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश लिफ्ट एवं एस्केलेटर अधिनियम-2024 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की विभिन्न रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (फहअ) और हाउसिंग सोसाइटी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जनपद में संचालित सभी लिफ्ट एवं एस्केलेटर का अधिनियम 2024 के तहत पंजीकरण अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन संचालकों या संस्थाओं द्वारा निर्धारित समयसीमा के भीतर अभी तक पंजीकरण नहीं कराया गया है, उनके विरुद्ध जुमार्ना और विधिक कार्रवाई की जाएगी। अधिनियम में लापरवाही या देरी की स्थिति में विलंब शुल्क वसूले जाने का भी प्रावधान है।

डीएम ने कहा कि यह अधिनियम जनहित और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लागू किया गया है। लिफ्टों के सुचारु एवं सुरक्षित संचालन के लिए सभी स्वामियों को उत्तर प्रदेश लिफ्ट एवं एस्केलेटर नियमावली-2024 के अंतर्गत पंजीकरण कराना सुनिश्चित करना होगा।

उन्होंने आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों से अपील की कि वे अधिनियम की जानकारी अपने परिसर में रहने वाले नागरिकों को दें और लिफ्टों की नियमित जांच एवं रखरखाव पर भी विशेष ध्यान दें।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने भी उपस्थित प्रतिनिधियों को अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रजिस्ट्रेशन से संबंधित आवश्यक दस्तावेज, प्रक्रिया और तकनीकी मानकों के अनुपालन को लेकर सभी संचालकों को जागरूक किया गया है।

अस्तौली व बादलपुर में 33 केवी के बिजलीघर बनेंगे

ग्रेनो प्राधिकरण ने टेंडर निकाले, 32 करोड़ होंगे खर्च

लोक प्रेरणा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने अस्तौली व बादलपुर में 33/11केवी के बिजलीघर बनाने का निर्णय लिया है। इन दो बिजलीघरों को बनाने और लाइन बिछाने में करीब 32 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके साथ ही जलपुरा गौशाला में विद्युतीकरण व हाईमास्ट लाइट और ईकोटेक-3 के उद्योग केंद्र-1, रिजर्व पुलिस लाइन, ट्वॉय सिटी, महिला उद्यमी पार्क पार्ट-1 व टू में हाईमास्ट लाइटें व स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। दरअसल प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह ने ओएसडी अभिषेक पाठक के साथ ग्रेटर नोएडा में चल रहे विद्युत कार्यों की समीक्षा की। प्राधिकरण के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग की तरफ से

बताया गया कि अस्तौली व बादलपुर में 33/11केवी के बिजलीघर का बनाने के लिए कागजी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। दोनों ही सब-स्टेशनों के निर्माण के लिए टेंडर निकाल दिए गए हैं। इसी माह के अंत तक टेंडर खुल जाएंगे। दोनों सब स्टेशनों के निर्माण और लाइन बिछाने के कार्यें पर लगभग 32 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इन बिजलीघरों के निर्माण में लगभग एक साल लग जाएंगे। इन दोनों बिजली घरों के बनने से न सिर्फ अस्तौली और बादलपुर बल्कि आसपास के एरिया में भी बिजली आपूर्ति और बेहतर हो जाएगी। समीक्षा बैठक में एसीईओ प्रेरणा सिंह ने तय समयसीमा में कार्य शुरू कराने और पूरा करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जलपुरा गौशाला का विद्युतीकरण व हाईमास्ट लाइट और इकोटेक-3 के उद्योग केंद्र-1, रिजर्व पुलिस लाइन, ट्वॉय सिटी, महिला उद्यमी पार्क पार्ट-1 व टू में हाईमास्ट लाइटें व स्ट्रीट लाइट भी लगाई जाएंगी। इन दोनों कार्यों पर लगभग 3.91 करोड रुपए खर्च होने का अनुमान है। एसीईओ ने इन कार्यों को भी तय समय में ही पूरा करने को कहा है। उन्होंने विद्युत अभियांत्रिकी विभाग की तरफ से किए जा रहे अन्य कार्यों की भी समीक्षा की। समीक्षा बैठक में तकनीकी कंसल्टेंट आरके जायसवाल, वरिष्ठ प्रबंधक रामचरण, सौरभ भारद्वाज और अश्विनी चतुर्वेदी, मैनेजर निखिल गुप्ता, अजीत भाई पटेल, विपिन बिहारी राय व अन्य मौजूद रहे।

नोएडा में मां-बेटे ने आर्थिक तंगी से परेशान होकर की आत्महत्या की कोशिश, बेटा दिल्ली रेफर

नोएडा । नोएडा के थाना फेज-3 क्षेत्र स्थित एक हाई-प्रोफाइल सोसायटी 'क्लियो काउंटी' से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जहां आर्थिक तंगी से जूझ रही एक महिला और उसके बेटे ने आत्महत्या का प्रयास किया।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। बेटे की स्थिति नाजुक बताई जा रही है, जिसे बेहतर इलाज के लिए दिल्ली रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार, घटना 10 जून 2025 की है।

पीड़ित महिला के भाई, जो महिला के बेटे के मामा भी हैं, ने थाना फेस-3 पुलिस को सूचना दी कि उनकी बहन और भांजा कई बार कॉल करने के बावजूद फोन नहीं उठा रहे हैं और किसी भी प्रकार का संपर्क नहीं हो पा रहा है। इस पर पुलिस तत्काल हरकत में आई और एक टीम क्लियो काउंटी सोसायटी में स्थित उनके फ्लैट पर पहुंची।

स्थानीय सोसायटी स्टाफ की मदद से पुलिस ने फ्लैट का दरवाजा खुलवाया। वीडियो रिकॉर्डिंग करते हुए पुलिस टीम जैसे ही अंदर पहुंची, तो देखा कि महिला (उम्र करीब 55 वर्ष) और उसका बेटा (उम्र करीब 25 वर्ष) बेहोशी की हालत में पड़े हुए हैं। जांच में सामने आया कि दोनों ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। तुरंत दोनों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

नोएडा में दिनदहाड़े युवक की गोली मारकर हत्या, आरोपी मौके से फरार

नोएडा । नोएडा के सेक्टर-24 थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सेक्टर-12 के डब्ल्यू ब्लॉक में बुधवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई, जब एक युवक की उसके ही दोस्त ने सिर में गोली मारकर हत्या कर दी। आपसी बहस के बाद यह खौफनाक वारदात अंजाम दी गई। आरोपी मौके से फरार हो गया, जबकि मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की जांच की जा रही है।

नोएडा में कोरोना के 16 नए मामले, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

नोएडा । उत्तर प्रदेश के नोएडा में कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 16 नए मामले सामने आए हैं। इसके अलावा, अब तक 166 मरीज कोरोना से ठीक हो चुके हैं। इस बारे में नोएडा के डिप्टी सीएमओ ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत की।

उन्होंने कोरोना के मामलों से संबंधित आंकड़े साझा किए। बताया कि मौजूदा समय में नोएडा में कोरोना के मामलों की कुल संख्या 290 है। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 16 नए मामले सामने आए हैं। अभी तक 166 मरीज कोरोना से ठीक हो चुके हैं। अभी सक्रिय मामलों की संख्या 124 है।

उन्होंने पुरुषों और महिलाओं के कोरोना से संबंधित आंकड़े भी पेश किए। बताया कि अब तक 153 महिलाएं और 137 पुरुष कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। बताया कि मंगलवार (10 जून) को हमने कोरोना के मामलों को लेकर बैठक भी बुलाई थी, जिसमें सभी जिलों के अस्पतालों के प्रभारियों को बुलाया गया था और उनसे उनके जिले में कोरोना के मामलों के बारे में जानकारी जुटाई गई थी।

उन्होंने बताया कि हमने उनसे पूछा था कि वर्तमान में जिलों में कोरोना की क्या स्थिति है, कितने लोग इससे संक्रमित हैं और अगर किसी भी तरह अप्रिय स्थिति पैदा होती है, तो उनके पास इससे निपटने के लिए क्या कुछ संसाधन मौजूद हैं। इस बारे में हमने पूरी जानकारी जुटाई। इसके अलावा, मरीजों का उपचार कैसे किया जा रहा है, उपचार से संबंधित उपकरण उनके पास हैं या नहीं, बेड की उपलब्धता है या नहीं, ऑक्सीजन है या नहीं, इन्हीं सब चीजों के बारे में उनसे जानकारी जुटाई गई। सभी ने हमें आश्वस्त किया कि घबराने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है।

बता दें कि कोविड का एक नया वैरिएंट एनबी 1.8.1 दुनिया के कई हिस्सों में तेजी से फैल रहा है, जिससे नई चिंताएं बढ़ रही हैं। यह वैरिएंट ओमिक्रॉन फैमिली का हिस्सा है, जो जनवरी 2025 में पहली बार पाया गया था। यह भारत के साथ ही अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, चीन, मालदीव और मिस्र जैसे देशों में फैल चुका है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 'निगरानी में रखा गया वेरिएंट' घोषित किया है, यानी यह इतनी तेजी से फैल रहा है कि इस पर ध्यान देना जरूरी है। लेकिन, अभी इसे बड़ा खतरा नहीं माना गया है।

विद्युत व्यवस्था को बेहतर करने की दिशा में तेजी से काम

ग्रेटर नोएडा। प्राधिकरण क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को बेहतर करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है. अस्तौली और बादलपुर में 33/11 केवी के 2 नए बिजलीघर (सब-स्टेशन) बनाने का फैसला लिया है. इन दोनों बिजलीघरों के निर्माण और उनसे जुड़ी लाइन बिछाने के कामों पर लगभग 32 करोड़ रुपए का खर्च आएगा. प्राधिकरण की अउ-एड प्रेरणा सिंह ने ओएसडी अभिषेक पाठक के साथ ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में चल रहे विद्युत कार्यों की गहन समीक्षा की है।

समीक्षा बैठक में बताया गया कि अस्तौली और बादलपुर में बनने

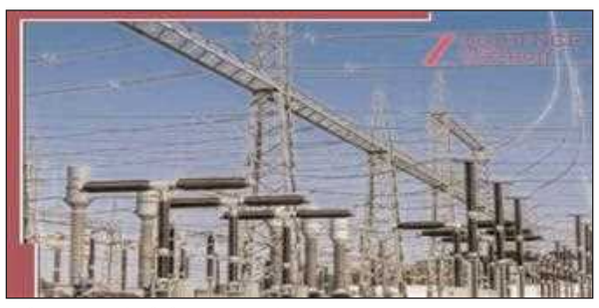

वाले इन बिजलीघरों के लिए जरूरी कागजी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है. इसको लेकर टेंडर भी जारी कर दिए गए हैं. उम्मीद की जा रही है कि इसी माह के लास्ट तक टेंडर प्रक्रिया पूरी हो जाएगी और निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा. प्राधिकरण का मानना है कि इन बिजलीघरों के निर्माण से न केवल अस्तौली और बादलपुर, बल्कि इनसे लगे दूसरे क्षेत्रों को भी स्थायी रूप से बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी. अनुमान है कि इन बिजलीघरों को बनने में लगभग 1 साल का समय लग जाएगा।

काम को तेजी से करना का निर्देश

बैठक के दौरान एसीईओ प्रेरणा सिंह ने संबंधित अधिकारियों को साफ निर्देश दिए कि सभी कार्य तय समयसीमा के अंदर पूरे किए जाएं. साथ ही गुणवत्ता से कोई समझौता न हो. इसके साथ ही जलपुरा स्थित गोशाला का विद्युतीकरण और हाईमास्ट लाइट लगाने के कार्य भी किए जाएंगे. इसी तरह इकोटेक-3 के उद्योग केंद्र-1, ट्वॉय सिटी, रिजर्व पुलिस लाइन, महिला उद्यमी पार्क पार्ट-1 और पार्ट-2 में हाईमास्ट लाइटें और स्ट्रीट लाइटें भी लगाई जाएंगी. इन प्रकाश संबंधित परियोजनाओं पर लगभग 3.91 करोड़ रुपए खर्च आने की संभावना जताई जा रही है. एसीईओ ने इन कार्यों को भी प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिया है।

इस समीक्षा बैठक में तकनीकी सलाहकार आरके. जायसवाल, वरिष्ठ प्रबंधक रामचरण, सौरभ भारद्वाज, अश्विनी चतुर्वेदी, मैनेजर निखिल गुप्ता, अजीत भाई पटेल, विपिन बिहारी राय सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

ग्रेटर नोएडा डीपो से लेकर बोडाकी तक प्रस्तावित नोएडा मेट्रो योजना पर बनी सहमति

नोएडा। नोएडा मेट्रो की ग्रेटर नोएडा डीपो से लेकर बोडाकी तक प्रस्तावित योजना को आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार (महुआ) से सहमति बन गई है। इससे संबंधित पत्र इसी सप्ताह नोएडा मेट्रो रेल कापोर्रेशन के एमडी को मिल जाएगा। इसके बाद टेंडर प्रक्रिया करके निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।

ये एक्सटेंशन लाइन है जिसे ग्रेटर नोएडा डिपो से बोडाकी तक बढ़ाया जाएगा। बोडाकी में एमएमटीएच बन रहा है। मेट्रो भी इसका एक हिस्सा होगी।

नोएडा मेट्रो एमडी लोकेश एम ने बताया कि विगत 26 मई को महुआ के सामने ग्रेटर नोएडा डिपो से लेकर बोडाकी तक प्रस्तावित मेट्रो का प्रजेंटेशन किया गया था। जिस पर सहमति बन गई है।

विधायक जेवर व जिलाधिकारी ने बैंकर्स के साथ की समीक्षा बैठक

सभी बैंकर्स सीडी रेशों में वृद्धि करने पर रखे विशेष फोकस, लापरवाही नहीं होगी क्षम्य

लोक प्रेरणा

गौतमबुद्ध नगर। जनपद की आर्थिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने एवं भारत सरकार व प्रदेश सरकार के सौजन्य से संचालित की जा रही विभिन्न ऋण योजनाओं में पात्र लाभार्थियों को लाभ दिलाने के उद्देश्य से आज कलैक्ट्रेट के सभागार में विधायक जेवर धीरेंद्र सिंह एवं जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बैंकर्स के साथ बैठक करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये।

विधायक ने बैठक में उपस्थित सभी बैंकर्स से कहा कि जनपद की आर्थिक व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने में बैंकर्स की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका होती है और आप सब इसकी महत्ता को ध्यान में रखते हुए केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित की जा रही ऋण योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों

तक पहुंचाने का काम करें। उन्होंने कहा कि बैंकर्स बैंकों में आने वाले व्यक्तियों के साथ मधुर व्यवहार करते हुए उनके काम करें, उनको अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। उन्होंने बैंकर्स से कहा कि सभी बैंकों द्वारा प्रत्येक माह वृद्ध जनों की केवाईसी हेतु ग्राम प्रधानों से समन्वय बनाते हुए गांव में शिविर लगाकर केवाईसी करने का काम किया जाए।

विधायक ने बैठक में उपस्थित सभी बैंकर्स से कहा कि वह अपने बैंकों की मासिक रिपोर्ट अग्रणी जिला कार्यालय को भेजें कि उनके ऋण योजनाओं के कितने आवेदन प्राप्त हुए एवं उनके सापेक्ष कितनों का निस्तारण किया गया। उन्होंने साथ ही कहा कि बैंकों के माध्यम से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को भी जागरूक किया जाए एवं उनके आवेदनों पर यथाशीघ्र कार्रवाई करते हुए उनको लाभान्वित करने का काम करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत बैंकों में जो भी आवेदन ऋण हेतु आ रहे हैं, उनका निस्तारण यथा शीघ्र करते हुए जरूरतमंदों तक योजना का लाभ पहुंचाने का काम करें। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि ऋण योजनाओं को लेकर जनपद में सोशल मीडिया आदि का सहयोग लेते हुए व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार भी सुनिश्चित कराया जाए।

जिलाधिकारी में सभी बैंकर्स से कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते हुए भारत सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार के सौजन्य से संचालित की जा रही विभिन्न ऋण योजनाओं में पात्र लाभार्थियों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर ऋण स्वीकृत करने की कार्यवाही सुनिश्चित करें ताकि जनपद गौतम बुद्ध नगर की आर्थिक व्यवस्था तेजी से आगे बढ़ सके।

जिलाधिकारी ने सभी बैंकर्स से कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना माननीय मुख्यमंत्री जी की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है और समय-समय पर इसकी मुख्यमंत्री जी द्वारा समीक्षा की जा रही है, इसलिए सभी बैंकर्स इस योजना की महत्ता को समझते हुए शीर्ष प्राथमिकता पर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के लंबित आवेदनों पर कार्रवाई करते हुए आवेदकों को ऋण उपलब्ध कराने का काम करें। उन्होंने कहा कि सभी बैंकर्स सरकार की विभिन्न ऋण योजनाओं के अंतर्गत विभागीय अधिकारियों के माध्यम से उन्हें जो आवेदन पत्र प्राप्त हो रहे हैं, उनमें तत्परता के साथ निर्णय लेते हुए पात्र लाभार्थियों को अधिक से अधिक ऋण उपलब्ध कराएं ताकि सभी पात्र लाभार्थी जनपद की आर्थिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में अपनी सहभागिता दर्ज करा सकें और सरकार की मंशा के अनुरूप उन्हें ऋण प्राप्त हो सके।

लोक प्रेरणा
Email- lokprerna@gmail.com

अच्छा प्रर्दशन और मेहनत आपको विजेता बनाएगा विनीत कुमार श्रीवास्तव मंडल रेल पबंधक

लोक प्रेरणा

वाराणसी। खेल के विकास के लिये प्रतिबद्ध पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल अलग -अलग खेल में अपनी पहचान बनाये हुए हैं । इसी कड़ी में पूर्वोत्तर रेलवे की वाराणसी मंडल हाँकी टीम ने 17 वीं ओलम्पियन विवेक सिंह रात्रीकालीन सेवेन ए साइड अखिल भारतीय हाँकी प्रतियोगिता जो 02 जून से 08 जून 2025 तक मिनी स्टेडियम शिवपुर वाराणसी में आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया । पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल की टीम फाइनल मुकाबले में विवेक एकेडमी से कड़े संघर्ष में ट्राईबेकर में 5-4 से पराजित हो गई।

इस कारण पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल की टीम को उक्त प्रतियोगिता में उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा।

मंडल रेल प्रबंधक विनीत कुमार श्रीवास्तव ने मंडल के हाँकी

खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने और विवेक एकेडमी की टीम को कड़ी टक्कर देने के लिए शाबासी दी तथा अपने कार्यालय में बुलाकर खिलाड़ियों का सम्मान करते हुए उन्हें इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि आप लोग इस खेल में अच्छा प्रर्दशन किया साथ ही और मेहनत की जरुरत है जिससे आप विजेता घोषित हो सके इस लिए मैं पूरी हांकी टीम को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूँ ।

सी एम ग्रिड के 40 करोड़ की लागत से चल रहे कार्यों का एजेंसी द्वारा लिया गया जायजा

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद । नगर निगम सीमा अंतर्गत मोहन नगर जोन में सी एम ग्रिड मे 40 करोड़ 14 लाख की लागत से चल रहे निर्माण कार्यों का अर्बन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एजेंसी की टीम द्वारा जायजा लिया गया, यू रिडा नगर विकास विभाग उत्तर प्रदेश के अंतर्गत कार्य करने वाली एजेंसी है जिसके डिप्टी सी.ई.ओ. एके श्रीवास्तव द्वारा टीम के साथ औचक निरीक्षण मोहन नगर जोन में किया गया मौके पर साथ आए इंजीनियर अग्रिम गुप्ता तथा अद्वित जानी भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान डिप्टी सीईओ यूरिडा द्वारा कार्य की गति धीमी बताई गई तथा संबंधित निर्माण विभाग अधिकारियों में ठेकेदार को तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए गए निरीक्षण के क्रम में मोहन नगर बस स्टैंड से हिंडन एयर फोर्स स्टेशन तक तथा शेषनाग द्वारा से एलिवेटेड रोड तक के चल रहे कार्यों का जायजा लिया गया, स्ट्रीट पोल का कार्य प्रगति पर मिला अन्य चल रहे कार्यों में गुणवत्ता की जांच भी टीम के द्वारा की गई, मौके पर मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी तथा टीम उपस्थित रही ।नरेंद्र कुमार चौधरी मुख्य अभियंता निर्माण द्वारा बताया गया कि माननीय महापौर तथा नगर आयुक्त महोदय की निर्देश की क्रम में सी एम ग्रिड के कार्यों को कराया जा रहा है, यूरिडा से आए हुए वरिष्ठ अधिकारियों का भ्रमण रहा, जिसमें वॉल स्टोन का कार्य मौके पर होते हुए मिला फुटपाथ की सैंपल भी टीम को दिखाए गए शहर को एक सुंदर और शुभ अवस्थित भव्य सड़क देने का कार्य निगम कर रहा है टीम के द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से कार्यों को तेजी से समाप्त करने के लिए भी कहा गया।

पानी-नाली-खरंजा-सड़क-सीवर-सफाई के लिए गाजियाबाद नगर आयुक्त कार्यालय पर विशाल प्रदर्शन

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद।भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की गाजियाबाद जिला इकाई द्वारा पूरे जनपद में एक महीने जन जागरण अभियान चलाकर 11 जून 2025 को नगर आयुक्त कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया गया और प्रदेश सरकार के नगर व आवास विकास मंत्री एवं नगर आयुक्त को संबोधित मांगों का ज्ञापन अपर नगर आयुक्त श्री जंग बहादुर सिंह को सौंपा गया।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए सी पी आई (एम) दिल्ली राज्य कमेटी(एन सी आर) के सचिव मंडल सदस्य कॉमरेड राजीव कुंवर ने संबोधित करते हुए बताया जनपद गाजियाबाद देश का बड़ा औद्योगिक शहर होने के कारण सरकार व निगम को सबसे ज्यादा राजस्व यहाँ से प्राप्त होता है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में होने के बावजूद यहाँ के निवासी आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं और कई प्रकार की

मुसीबतों को झेल रहे हैं और डबल इंजन की सरकार भृष्टाचार में लिप्त हैं। पार्टी जिला सचिव ईश्वर त्यागी ने अपने संबोधन में कहा निगम क्षेत्र की मजदूर बस्तियों में पीने के पानी की किल्लत, टूटे नाले-नालियाँ, सड़कों में गड्ढे, कूड़े के ढेर, गंदे पानी की निकासी व सीवर-सफाई का न होना, स्कूलों-अस्पतालों की जर्जर हालत जैसी समस्याओं से आम आदमी को रोज जूझना पड़ता है। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की जिलाध्यक्ष नीरु सिंह सेंगर ने कहा निगम क्षेत्र की पॉश कालोनियों में विशेष रूप से आवंटित धन खर्च करके तमाम सुविधाएं उपलब्ध करायी जाती हैं, लेकिन पुरानी आबादी एवं मजदूर व मलिन बस्तियों के साथ निगम द्वारा भेदभाव किया जाता है और ज्यादा दबाव पड़ने पर कभी-कभार नाम मात्र के विकास कार्य कराये जाते हैं।

माकपा की शहर लोकल कमेटी के सचिव त्रिफूल सिंह ने कहा अभी फिर से टैक्स बढ़ा कर आम जनता पर और अधिक बोझ डाल दिया गया है, जिससे आम जनता में बेहद रोष व्याप्त है। माकपा के साहिबाबाद लोकल कमेटी के सचिव देवेंद्र शर्मा ने बताया राजनीतिक पार्टियाँ चुनावी वादे साल दर साल तो करती रही हैं, मगर काम के नाम पर चुनाव के दौरान की गयीं घोषणाएं सिर्फ जुमला साबित हो रहीं हैं। निगम के अधिकारी व जनप्रतिनिधि आपस में साठ-गाँठ करके अपनी तिजोरी भरने में लगे हुए हैं। बात गाजियाबाद को स्मार्ट सिटी बनाने की हमेशा होती है और इसी के नाम पर लूट-खसोट जारी है।

महिला की हत्या कर शव सूटकेस में बंदकर नहर किनारे फेंका

लोक प्रेरणा

लोनी। बॉर्डर थाना क्षेत्र के शिव वाटिका कॉलोनी के सामने मंगलवार की सुबह करीब सात बजे बेहटा नहर के पास लोगों को हरे रंग का सूटकेस दिखा। आसपास के लोगों ने सूटकेस खोला तो उसके अंदर महिला का शव था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, महिला की मांग में सिंदूर और पैरों में बिछिया है।

आशंका है कि महिला की हत्या कर शव यहां लाकर फेंका गया हो।एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि सड़क किनारे पड़े एक सूटकेस में महिला का शव चादर से लिपटा पड़ा है। पुलिस ने महिला के शव को सूटकेस से बाहर निकाला। शव के माथे पर सिंदूर, पैरों में बिछिया और हाथों में कड़े थे। मुंह से खून निकला था। गले पर भी निशान मिले हैं। पुलिस ने आसपास के लोगों को फोटो दिखाकर शिनाख्त के प्रयास किए, लेकिन किसी ने भी पहचान नहीं की। इसके बाद पुलिस ने शव मोर्चरी भेज दिया।

एसीपी ने बताया कि महिला की पहचान के लिए दिल्ली समेत आसपास के थानों से संपर्क किया है। जिन थानों में गुमशुदा की रिपोर्ट दर्ज है। उनका महिला के हुलिया से पहचान किया जा रहा है। देर शाम तक भी महिला की पहचान नहीं हो सकी है।

सीसीटीवी फुटेज और डंप डाटा से आरोपी तक पहुंचेगी पुलिस

पुलिस ने मौके से कुछ अहम सुराग एकत्रित किए हैं। घटनास्थल के पास कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। करीब 200 मीटर की दूरी पर लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। बॉर्डर थाना से पतला की तरफ निकलने वाले रास्ते पर जितने भी सीसीटीवी कैमरे हैं। पुलिस उन्हें भी खंगाल रही है। देर रात 12 बजे से सुबह 7 बजे तक डंप डाटा खंगाल रही है। महिला के पास से कुछ भी ऐसा नहीं मिला, जिससे शिनाख्त हो सके। पुलिस रास्ते में आने-जाने वाले सभी वाहनों की पहचान के प्रयास कर रही है। पुलिस ने संभावना जताई है कि देर रात महिला के शव को ठिकाने लगाया है। नया है सूटकेस, हत्यारे ने महिला को मोड़कर पैक किया जिस हरे रंग के सूटकेस में महिला का शव मिला है, वह सूटकेस बिल्कुल नया है। महिला की हाइट करीब 5 फुट 4 इंच है। शव को सूटकेस में बंद करने के लिए हत्यारे ने पैर मोड़कर पैक किया। इसके बाद सूटकेस को सड़क किनारे फेंक गया।

हत्यारा इतना शातिर है कि जिस जगह शव को सूटकेस में पैक करके फेंका है वहां आसपास सीसीटीवी फुटेज नहीं है। रात 10 बजे के बाद यह इलाका सुनसान हो जाता है। जिस दुकान के बाहर यह सूटकेस मिला, वह दुकान भी करीब 8 बजे बंद हो जाती है। पुलिस को वहांपर किसी वाहन के टायर के निशान नहीं मिले। संभावना है कि आने जाने वाले लोगों के पैर के निशान की वजह से वहां के टायर के निशान गायब हो गए हों। पुलिस को आशंका है की हत्या के बाद हत्यारा महिला के शव को ठिकाने लगाने के लिए किसी वाहन से वहां आया है। पुलिस अब उस वाहन की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

बॉर्डर थाने के सामने से जाने वाले बेहटा नहर का रास्ता रात के समय सुनसान हो जाता है। इस रास्ते में स्ट्रीट लाइट भी नहीं है। करीब 4 से 5 किलोमीटर के इस रास्ते में पहले कई आपराधिक घटनाएं हो चुकी हैं। करीब 1 साल पहले इस रास्ते में एक महिला की हत्या कर शव फेंक दिया था। महिला की पहचान छुपाने के लिए उसका चेहरा जला दिया। अभी तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। हालांकि पुलिस इसी रास्ते पर कई बार मुठभेड़ भी कर चुकी है।

भाजपा के विकास और निवेश की तरह इनकी जांच और इलाज भी कागजी : अखिलेश यादव

लखनऊ । समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने एक एक्स-रे का वीडियो जारी कर स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाया। अखिलेश ने कहा कि भाजपा के विकास और निवेश की तरह इनकी जांच और इलाज भी कागजी ही है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर सरकार की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाया है।

उन्होंने कहा, "यह भाजपा के कुशासन का एक्स-रे है। भाजपा के विकास और निवेश की तरह इनकी जांच और इलाज भी कागजी ही है। यह गंभीर जांच का विषय है कि कहीं ये असंभव कागजी एक्स-रे

किसी और के मूल एक्स-रे की फोटोकॉपी तो नहीं, इसे किसी और का बताकर केवल कागजी खानापूर्ति की जा रही हो और गलत चिकित्सा-उपचार भी किया जा रहा हो। तुरंत जांच पर जांच बैठाई जाए, और सच्ची रिपोर्ट बाहर लाई जाए।"

वीडियो के नीचे कैप्शन में लिखा है कि योगी जी के शासन में कमाल की एक्स-रे रिपोर्ट कागज में दी जा रही है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री को हिदायत देते हुए कहा कि इधर-उधर की राजनीति छोड़कर अपने मंत्रालय पर ध्यान दें।

कागज में एक्स-रे की रिपोर्ट सुल्तानपुर मेडिकल कॉलेज की बताई जा रही है, जो कि सोशल मीडिया में वायरल हो रही है। इसके पहले आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने भी इस मामले को लेकर भाजपा पर निशाना साधा।

उन्होंने 'एक्स' पर एक वीडियो शेयर किया और लिखा, 'क्या आपने कभी कागज के पन्ने पर एक्स-रे फिल्म ली है? नहीं तो सुल्तानपुर के मेडिकल कॉलेज में आइए, यहां कई सालों से कागज के पन्ने पर एक्स-रे मिलता है। कोई नियमित रेडियोलॉजिस्ट भी मेडिकल कॉलेज में नहीं है। स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली फर्जी भाषणों से दूर नहीं होगी। भाजपा मतलब बबार्दी।'

इसके अलावा सपा मुखिया ने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि भाजपा में जो लोग अपने समाज को वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किए जाने के बाद उपेक्षित किए जाने के ह्यसाक्षीह्न हैं, वे जब सच्चे मन से बोलते हैं तो सच ही बोलते हैं। उनके बयान और भाषण भाजपा को अंतिम चुनौती नहीं हैं बल्कि भविष्य का उद्घोष हैं क्योंकि वे भी जानते हैं कि ह्यपीडीएह्न ही उनका स्वाभाविक और स्थायी पड़ाव है, जहां हर पीडीए से सच्चा लगाव है। बाकी क्या कहना, वे स्वयं और उनका समाज स्वयं ही अपने मान-सम्मान को लेकर बेहद जागरूक, सक्रिय और समझदार है। थोड़े लिखे को ज्यादा समझिएगा।

संतों ने समाज को दिखाई वो राह, जो कैराना और कांधला जैसी घटना नहीं होने देती : योगी

मुजफ्फरनगर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संतों ने समाज को एकता और जोड़ने की राह दिखाई। वह राह, जो कैराना व कांधला की घटना नहीं होने देती। यह वही राह है, जो हमें सुरक्षा व संरक्षण की गारंटी देती है और उत्थान का मार्ग प्रशस्त करती है। साथ ही सम-विषम परिस्थितियों में लड़ने की प्रेरणा प्रदान करती है।

स्वामी ज्ञान भिक्षुक दास महाराज दिव्य संत थे। उन्होंने शुकतीर्थ में सतगुरु रविदास जी महाराज जी की प्रेरणा को आगे बढ़ाने का कार्य किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को शुक्रतीर्थ मुजफ्फरनगर में विशाल संत समागम और सत्संग कार्यक्रम में सहभाग किया।

संत कबीर साहिब के जन्मोत्सव पर भंडारे का आयोजन

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद। वरिष्ठ समाज सेवी सिकंदर यादव के निवास पर संत कबीर साहेब जी के जन्मोत्सव के मौके पर 14वें विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें गाजियाबाद सहित आसपास के जिलों से भी कबीर पंथ्यों ने आकर प्रसाद ग्रहण किया ।

इस मौके पर पूर्व मेयर प्रत्याशी पूनम यादव नैना यादव प्रियंका यादव सोम यादव बसु यादव मिलिंद यादव अविनाशी यादव रतन सिंह यादव रवि यादव कुणाल यादव प्रदीप यादव दिनेश यादव सीमा यादव सुषमा यादव कृतिका यादव रॉबिन यादव भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल रामावतार यादव शनि सैनी आकाश चौधरी राजेश हिमांशु शिवांश आदि लोगों ने शिरकत की ।

चिप्स के गोदाम में लगी आग, लाखों का सामान जला

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद। नगर कोतवाली क्षेत्र के अमृत स्टील कंपाउंड स्थित शीतल एंटरप्राइजेज के गोदाम में मंगलवार दोपहर अचानक आग लग गई। आग से चिप्स, पानी की खाली व भरी बोतलें और फर्नीचर समेत लाखों को सामान जल गया। नगर कोतवाली और वैशाली स्टेशन की चार दमकल विभाग की टीमों ने करीब आधे घंटे में आग पर काबू पाया। सीएफओ राहुल पाल के अनुसार मंगलवार सुबह साढ़े दस बजे फायर जीटी रोड पर अमृत स्टील कंपाउंड स्थित फैक्टरी में आग लगने की सूचना मिली।

एफएसओ कोतवाली तीन गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे। सीएफओ ने बताया कि आग रोहित गुप्ता के शीतल एंटरप्राइज डिस्ट्रीब्यूटर के गोदाम में लगी थी। गोदाम में चिप्स, पानी की बोतलों समेत अन्य सामान का स्टॉक रखा था। आग की विकरालता को देखते हुए वैशाली फायर स्टेशन से भी एक फायर टेंडर को मौके पर बुलाया गया। दमकल विभाग की टीम ने हौज पाइप लाइन फैलाकर आग को चारों तरफ से घेरकर काबू पाने का प्रयास किया। करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। गोदाम में काम कर रहे कर्मचारी आग लगते ही बाहर निकल आए। आग की चपेट में आकर लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। आग से कोई जनहानि नहीं हुई। संभावना जताई जा रही है कि स्टॉक रूम में बिजली की ओवरलोड होने पर शॉर्ट-सर्किट से आग लगी है।

11 वर्षों में मोदी सरकार ने सेवा को संकल्प, सुशासन संस्कृति और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता : मौर्य

लोक प्रेरणा

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ह्लविकसित भारत का अमृत काल सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में" सर्किट हाउस सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि 11 वर्षों में मोदी सरकार ने सेवा को संकल्प, सुशासन को संस्कृति और सुरक्षा को सर्वोच्च बनाया। प्राथमिकता, यही है नया भारत, यही है विश्व का विश्वास। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकसित भारत के अमृत काल में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के विकास की नई यात्रा तय की है।

मोदी सरकार की हर योजना के केन्द्र में जनकल्याण और आम नागरिक के जीवन को आसान करने के साथ- साथ देश को वैश्विक स्तर पर नए आयाम देने की भावना रही है। बीते 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मोदी सरकार ने सीमा सुरक्षित की, अर्थव्यवस्था मजबूत कीया, और टेक्नोलॉजी को जन-जन तक पहुंचाया।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 11 वर्षों के कार्यकाल की केंद्र सरकार की उपलब्धियां बताते कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों और एयरबेस को ध्वस्त कर यह दिखा दिया कि अब मोदी का यह नया भारत शांति की बातें नहीं बल्कि घर में घुसकर आतंक का सफाया करता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान को स्पष्ट और सख्त संदेश भी दिया कि आतंक, पानी और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते, खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। पूरे विश्व को प्रधानमंत्री मोदी जी ने स्पष्ट कर दिया कि भारतीय धरती पर किसी भी हमले को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा। एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम, 'ब्रह्मोस, आकाश मिसाइल, आइएनएस विक्रांत, तेजस और, प्रचंड' अटैक हेलीकॉप्टर जैसे स्वदेशी तकनीकों के साथ अब भारत न केवल आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति के रूप में उभर रहा है बल्कि आज रक्षा उपकरणों का निर्यात भी कर रहा है। आज भारत का रक्षा निर्यात 34 गुना बढ़कर 23,622 करोड़ तक पहुंच गया है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रणनीतिक दूरदर्शिता और कूटनीतिक तैयारी का नतीजा हैं। संकट काल के दौरान मोदी सरकार ने अपने नागरिकों को विश्व भर के हर कोने से सुरक्षित निकालकर यह सिद्ध किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार केवल सीमाओं के भीतर नहीं, विश्वभर में भारतीयों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

रूस यूक्रेन युद्ध के दौरान ऑपरेशन गंगा, अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के समय ऑपरेशन देवी शक्ति और कोविड में वंदे भारत मिशन के जरिए मोदी सरकार करोड़ों भारतीयों को विदेशों से सुरक्षित लेकर आई। रूस यूक्रेन युद्ध के दौरान तो अन्य देशों के नागरिक भी भारतीय झंडे को लहराकर अपना बचाव कर रहे थे। एक समय था जब देश के 96 जिले नक्सलवाद की चपेट में थे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की निर्णायक नीति, सुरक्षा बलों की सशक्त कार्रवाई और विकास की डबल रणनीति के कारण अब नक्सल प्रभावित जिले घटकर गिनती के रह गए हैं। नक्सल घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी आ गई है। आज भारत विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। वैश्विक डिजिटल लेनदेन के 49% लेनदेन भारत में होते हैं। देश का वस्तु और सेवा निर्यात 825 अरब डॉलर तक पहुंचा। देश में यूपीआई लेनदेन ?24 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। मोबाइल यूजर्स 116 करोड़ हो चुके हैं, डेटा लागत 2014 में ?308 प्रतिजीबी से 97 प्रतिशत घटकर 2022 में ?9.34 प्रतिजीबी हो गई है और देश में इंटरनेट उपयोगकताओं की संख्या 2014 में 25.5 करोड़ से 285% बढ़कर 2024 में 97 करोड़ हो गई है। सरकार के ई बाजार ऋीट ढङ्ग१३ह्न से खरीद में भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त हो चुका है। इस प्रणाली पर मार्च 2025 तक 13.41 लाख करोड़ से अधिक के 2.83 करोड़ ऑर्डर दिए गए हैं। मोदी सरकार की टेक्नोलॉजी आधारित ई-गवर्नेस प्रणाली ने पारदर्शिता, समयबद्धता और जवाबदेही को नई परिभाषा दी, CoWIN, UPI, ABHA और DigiLocker जैसे प्लेटफॉर्म अब वैश्विक मिसाल हैं। मोदी सरकार ने डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर की शुरूआत कर 44 लाख करोड़ रुपए सीधे लाभार्थी के खाते में पहुंचाना शुरू कर दिया जिससे दलालों की भूमिका खत्म हो गई और भ्रष्टाचार कम हो गया। कटऋ और वठऊढ जैसे वैश्विक संस्थानों ने भारत में गरीबी उन्मूलन को लेकर मोदी सरकार के प्रयासों को सराहा है जिनके परिणामस्वरूप लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत 55.22 करोड़ बैंक खाते खोल कर देश की आम जनता को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा गया है।

डीएस क्रिकेट अकैडमी ने वीनस क्रिकेट अकैडमी को 164 रन से हराया

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद । गंगाराम मैमोरियल क्रिकेट टूनार्मेंट के लीग मैच में डीएस क्रिकेट अकैडमी ने वीनस क्रिकेट अकैडमी को 164 रन से हरा दिया। डीएस क्रिकेट अकैडमी के 341 रन के जवाब में वीनस क्रिकेट अकैडमी 177 रन पर सिमट गई। एके क्रिकेट ग्राउंड राजनगर एक्सटेंशन के मैदान पर हुए मैच में टॉस जीतकर डीएस क्रिकेट अकैडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में 6 विकेट पर 341 रन का विशाल स्कोर खडा कर दिया।

टीम के कप्तान अर्थव शर्मा ने 90 रन की पारी खेली। अभिनव चौधरी ने 80 व विकास चौहान ने 72 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। शौर्य गुप्ता ने नाबाद 42 रन का योगदान दिया। समर प्रताप सिंह ने 3 विकेट लिए। 342 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वीनस क्रिकेट अकैडमी 30.2 ओवर में 177 रन पर आउट हो गई। गर्वित ने सबसे अधिक 66 रन बनाए। आदित्य ने 27 रन का योगदान दिया। नमन डबास ने 3, नक्श तोमर व विकास चौहान ने 2-2 विकेट लिए। अर्थव शर्मा को मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार से सम्मानित किया।

पीएम मोदी का 11 साल का कार्यकाल बदली हुई सरकार नहीं, बदले युग का प्रतीक : सुधांशु त्रिवेदी

आगरा। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी बुधवार को आगरा पहुंचे। यहां पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार की उपलब्धियों को बताया। साथ ही लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 'सरेंडर' वाले विवादित बयान पर पलटवार भी किया।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 साल की उपलब्धियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, "पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा और एनडीए की सरकार के 11 साल पूरे हुए। यह कार्यकाल बदली देश में बदली हुई सरकार नहीं बल्कि बदले हुए युग का प्रतीक है। इस कार्यकाल में हमारे देश की समृद्धि, सुरक्षा, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक गौरव चारों आयामों में पीएम मोदी के नेतृत्व में अभूतपूर्व युगांतकारी परिवर्तन हुए हैं।"

अमेरिकी मेडिकल एसोसिएशन में जमाई धाक, कौन हैं भारतीय मूल के डॉक्टर बॉबी?

दुनिया. भारतीय मूल के डॉक्टर बॉबी मुक्कामाला ने अमेरिका में भारतीय समुदाय का नाम रोशन किया है. उन्हें बुधवार 11 जून को अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के 180वें अध्यक्ष चुना गया है. जिसके बाद वह 178 साल के इतिहास में संगठन का नेतृत्व करने वाले भारतीय मूल के पहले व्यक्ति बन गए हैं.

चुनाव जीतने के बाद बॉबी मुक्कामाला ने कहा, ÷इस खुशी और पल को वह बता नहीं सकते हैं. यह दिल को छू लेने वाला है, यह इंस्पायरिंग है.÷ अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के 180वें अध्यक्ष के रूप में उनकी नियुक्ति 8 सेमी टेम्पोरल लोब ट्यूमर की सर्जरी के कुछ महीने बाद हुई है. मुक्कमला के लिए ट्यूमर का 90 फीसद हिस्सा निकालना सबसे बड़ा ऑपरेशन था. कैंसर से उनकी लड़ाई ने उनको अमेरिका में पहचान दिलाई है और इस पद के लिए दावेदारी मजबूत की है. वह अपने मंच और अनुभव का इस्तेमाल कर एक बेहतर और अच्छे अमेरिकी हेल्थ की वकालत करेंगे.

कौन है मुक्कमला?

बॉबी मुक्कामाला मिशिगन में स्थित एक बोर्ड-प्रमाणित ओटोलैरिंगोलॉजिस्ट और हेड-एंड-नेक सर्जन हैं. 1971 में भारतीय अप्रवासी डॉक्टर दंपत्ति के घर जन्मे मुक्कामाला ने मिशिगन यूनिवर्सिटी के मेडिकल स्कूल से ग्रेजुएशन की और शिकागो में लोयोला विश्वविद्यालय चिकित्सा केंद्र में अपना क्त पूरा किया. वह 2000 में फ्लिंट लौट आए, जहां वह अपनी पत्नी नीता कुलकर्णी एमडी के साथ निजी प्रैक्टिस करने लगे. उनकी पत्नी भी स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं.

मुक्कामाला एक प्रमुख एएमए नेता रहे हैं, नवंबर 2024 में उन्हें ग्रेड 2 एस्ट्रोसाइटोमा, एक धीमी गति से बढ़ने वाले मस्तिष्क ट्यूमर होने का पता चला, जिसे दिसंबर 2024 में सर्जरी कर निकाल दिया गया. एक मरीज के रूप में उनके अनुभव ने स्वास्थ्य समानता और सुलभ देखभाल के लिए उनकी वकालत को बढ़ावा दिया है, जो कि अफोर्डेबल केयर एक्ट में उन जैसे सुरक्षा पर जोर देता है.

अपने समुदाय के लिए करते रहे है काम

बॉबी मुक्कामाला अपने समुदाय में बहुत सक्रिय हैं. 2012 में, उन्होंने स्वास्थ्य व्यवसायों का अध्ययन करने वाले छात्रों की मदद करने के लिए मिशिगन-फ्लिंट विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति की शुरुआत की थी. उनके जुड़वां बेटे हैं जिनका नाम देवेन और निखिल है. अपने खाली समय में बच्चों को समय देते हैं. उन्हें अपने समुदाय की मदद करना पसंद है.

ये सोशल मीडिया है, हम कंट्रोल नहीं कर सकते... मोहम्मद यूनुस ने बताया शेख हसीना को लेकर पीएम मोदी से क्या हुई थी बात

दुनिया. बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस भारत सरकार से निराश हैं. उनकी अंतरिम सरकार के लिए भारत से दिए जा रहे शेख हसीना के ऑनलाइन भाषण खतरा बने हुए हैं. क्योंकि शेख हसीना भारत से ही यूनुस सरकार की नाकामियां दुनिया के सामने ला रहे हैं. जिसको लेकर मोहम्मद यूनुस ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की.

यूनुस का कहना है कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के ऑनलाइन भाषणों पर अंकुश लगाने के ढाका के अनुरोध को दरकिनार करने के बाद पूरे बांग्लादेश में गुस्सा भड़क रहा है.

हाल ही में लंदन के चैथम हाउस में एक चर्चा के दौरान बोलते हुए यूनुस ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ हुई बातचीत को याद किया. यूनुस ने भारत से हसीना के संबोधनों का जिक्र करते हुए कहा, ÷जब मुझे प्रधानमंत्री मोदी से बात करने का मौका मिला, तो मैंने बस इतना कहा कि आप उनकी मेजबानी करना चाहते हैं, मैं आपको उस नीति को छोड़ने के लिए मजबूर नहीं कर सकता÷ लेकिन कृपया हमें यह सुनिश्चित करने में मदद करें कि वह बांग्लादेशी लोगों से उस तरह बात न करें, जैसा वह कर रही हैं.

भारत ने ऑनलाइन भाषण रोकने से किया इनकार!

यूनुस ने निराश जताते हुए कहा ÷शेख हसीना भारत में बैठकर पहले ऐलान करती हैं कि वह इस दिन, इस समय, इस घंटे बोलेंगी, और पूरा बांग्लादेश गुस्सा भड़क जाता है. वह इस पूरे क्रोध को अपने अंदर क्यों रख रही हैं? यूनुस ने बताया कि उन्होंने पीएम मोदी से हस्तक्षेप करने और हसीना को आगे कोई बयान देने से रोकने के लिए कहा था, जिस पर भारतीय प्रधानमंत्री ने कथित तौर पर जवाब दिया, ÷यह सोशल मीडिया है, आप इसे नियंत्रित नहीं कर सकते. प्रतिक्रिया पर प्रतिक्रिया देते हुए यूनुस ने कहा, आप क्या कह सकते हैं? यह एक विस्फोटक स्थिति है, आप यह कहकर नहीं बच सकते कि यह सोशल मीडिया है.

क्या शेख हसीना को लौटाएगा भारत?

चैथम हाउस में जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत वही कर रहा है जिसकी बांग्लादेश को उम्मीद थी, तो यूनुस ने बिना किसी हिचकिचाहट के जवाब दिया, 'नहीं.' उन्होंने बताया कि बांग्लादेश ने भारत सरकार को पत्र लिखकर हसीना के प्रत्यर्पण का अनुरोध किया है और कानूनी कार्यवाही पहले से ही चल रही है. यूनुस ने बताया कि, ÷न्यायाधिकरण ने सुनवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है. यूनुस सरकार हसीना को उनके द्वारा किए गए अपराधों के लिए नोटिस भेजा है. लेकिन इसका अभी तक जवाब नहीं दिया गया है. यूनुस ने कहा कि हम एक कानूनी प्रक्रिया का पालन कर रहे हैं. हम चाहते हैं कि यह कानूनी और उचित हो. हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हम गुस्से में आकर कुछ न करें.

रवींद्रनाथ टैगोर के आवास पर बांग्लादेशियों ने किया हमला, मोहम्मद यूनुस के राज में नहीं रुक रही हिंदुओं के साथ ज्यादती

बांग्लादेश में नोबेल पुरस्कार विजेजा रविंद्रनाथ के पैतृक आवास पर हमला हो गया है. भीड़ ने उनके पैतृक आवास में तोड़फोड़ मचाई. घटना की अब जांच की जा रही है.

बांग्लादेश में हिंदुओं की हालत किसी से छिपी हुई नहीं है. तख्तापलट होने और मोहम्मद युनुस की सरकार बनने के बाद से हिंदुओं और उनके प्रतिष्ठानों पर जमकर हमले हो रहे हैं. लेकिन हद तो अब पार हो गई है. बांग्लादेशियों ने अब नोबेल पुरस्कार विजेता रविंद्रनाथ टैगोर के पैतृक निवास पर भीड़ ने हमला कर दिया. उन्होंने वहां तोड़फोड़ मचाई. बांग्लादेश के सिराजगंज में गुरुदेव का पैतृक घर है. बता दें, रविंद्रनाथ टैगोर को प्यार से लोग गुरुदेव कहते हैं. अब मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है.

पार्किंग को लेकर बढ़ा विवाद

बांग्लादेशी न्यूज के मुताबिक, एक आदमी आठ जून को अपने परिवार के साथ सिराजगंज जिले के कचहरीबाड़ी गया था. कचहरीबाड़ी को रविंद्र कचहरीबाड़ी और रविंद्र स्मारक संग्रहालय के रूप में भी जाना जाता है. वहां बाइक पार्किंग की फीस को लेकर प्रवेश द्वार पर एक कर्मचारी के साथ उसका विवाद हो गया. संग्रहालय वालों ने उन्हें कथित तौर पर एक कमरे में बंद कर दिया और उसके साथ मारपीट की. इस घटना से आसपास के लोगों में रोष फैल गया. उन्होंने मानव श्रृंखला बनाकर इसका विरोध किया. बाद में भीड़ ने स्मारक पर हमला कर दिया और संस्थान के निदेशक की पिटाई कर दी.

Bangladesh Hindu: बांग्लादेश के कट्टरपंथियों ने एक और हिंदू नेता का किया मर्डर, बेरहमी से पीट-पीटकर ली जान

अब स्मारक में लोगों की एंट्री पर रोक

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, घटना के बाद पुरातत्व विभाग ने हमले की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच टीम का गठन किया. स्मारक के संरक्षक मोहम्मद हबीबुर रहमान ने बताया कि प्राधिकरण ने घटना की वजह से लोगों की एंट्री को फिलहाल रोक दिया है. जांच समिति को अगले पांच दिनों के अंदर-अंदर जांच रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है. शहजादपुर स्थित कचहरीबाड़ी टैगोर परिवार का पैतृक घर और राजस्व कार्यालय था. गुरुदेव ने इसी हवेली में रहते हुए अपनी कई सारी साहित्यिक कृतियां रची थीं.

देश भर में हो रहा है विरोध प्रदर्शन

बांग्लादेश में इस वक्त अंतरिम सरकार को भारी विरोध सहना पड़ रहा है. देश भर में यूनुस के खिलाफ जमकर प्रदर्शन हो रहे हैं. बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी सहित देश की कई राजनीतिक पार्टियां और छात्र संगठन देश भर में लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराने को लेकर जगह-जगह पदर्शन हो रहे हैं.

अब स्मारक में लोगों की एंट्री पर रोक

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, घटना के बाद पुरातत्व विभाग ने हमले की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच टीम का गठन किया.

स्मारक के संरक्षक मोहम्मद हबीबुर रहमान ने बताया कि प्राधिकरण ने घटना की वजह से लोगों की एंट्री को फिलहाल रोक दिया है. जांच समिति को अगले पांच दिनों के अंदर-अंदर जांच रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है. शहजादपुर स्थित कचहरीबाड़ी टैगोर परिवार का पैतृक घर और राजस्व कार्यालय था. गुरुदेव ने इसी हवेली में रहते हुए अपनी कई सारी साहित्यिक कृतियां रची थीं.

तूफान वुटिप क्या है, जो 3 दिन तक चीन में मचाएगा तांडव

दुनिया. दक्षिण चीन सागर में बना एक ट्रॉपिकल डिप्रेशन बुधवार सुबह पहला बड़ा तूफान बन गया है, जिसका नाम है वुटिप. ये तूफान अगले तीन दिनों तक दक्षिण चीन के कई इलाकों में भारी बारिश और तेज हवाओं के साथ तबाही मचा सकता है.

चीन की राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (NMC) के मुताबिक, वुटिप शुक्रवार को हाइनान और ग्वांगडोंग के तटीय इलाकों से टकरा सकता है. ये इस साल का पहला तूफान होगा जो चीन की जमीन से टकराएगा.

बाढ़, भूस्खलन का खतरा बढ़ा

हाइनान, ग्वांगडोंग और ग्वांग्शी जैसे दक्षिणी इलाकों में बुधवार से शनिवार तक भारी बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है. हाइनान के मध्य और पूर्वी हिस्सों में 100 से 150 मिमी तक बारिश हो सकती है. इसके चलते इन क्षेत्रों में बाढ़, भूस्खलन और नदियों के उफान का खतरा बढ़ गया है.

सरकारी तैयारियां जोरों पर

चीन की आपदा प्रबंधन एजेंसियों ने लेवल IV से बढ़ाकर लेवल III अलर्ट जारी कर दिया है. हाइनान और ग्वांगडोंग में बाढ़ और तूफान से निपटने के लिए टीमें भेज दी गई हैं. कई इलाकों में नौका सेवाएं बंद कर दी गई हैं, सैकड़ों कर्मियों को समुद्री प्लेटफॉर्म्स से हटाकर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है.

क्यों अलग है वुटिप?

आंकड़ों के अनुसार, इस साल का पहला तूफान औसत से दो महीने देर से बना है. आमतौर पर पहला तूफान मार्च में बनता है, लेकिन इस बार जून में बना है. हालांकि ये 13 जून को जमीन से टकराएगा, जो औसतन 27 जून के मुकाबले जल्दी है. विशेषज्ञों के मुताबिक, ये देर से आना खेती और मछली पकड़ने के मौसम के लिए बेहतर है, लेकिन अब जब यह बन चुका है, तो पूरी सतर्कता ज़रूरी है.

लोगों को क्या आदेश दिए गए हैं?

मौसम विभाग ने लोगों को चेतावनी दी है कि तूफान के असर वाले इलाकों में पेड़ों को बांधें, ढीले निर्माणों को मजबूत करें, और स्थानीय प्रशासन की चेतावनियों पर ध्यान दें. समुद्री गतिविधियां पूरी तरह रोक दी गई हैं और लोगों को घरों में सुरक्षित रहने की सलाह दी गई है.

सूख रहे डैम, किसान भी सूखे से परेशान; सिंधु जल संधि पर भारत के ऐक्शन से पाकिस्तान में त्राहिमाम

पाकिस्तान. भारत द्वारा अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद 1960 की सिंधु जल संधि (Indus Waters Treaty) को निलंबित करने के फैसले का असर अब पाकिस्तान में साफ दिखने लगा है। पाकिस्तान के दो प्रमुख जलाशय झेलम नदी पर स्थित मंगला डेम और सिंधू नदी पर बना टर्बेला बांध अब पूरी तरह सूखने के करीब पहुंच चुके हैं। पाकिस्तान की इंडस रिवर सिस्टम अथॉरिटी (IRSA) के अनुसार, बुधवार को पाकिस्तान ने अपने सभी प्रमुख जलस्रोतों से जितना पानी प्राप्त किया, उससे 11,180 क्यूसेक अधिक पानी छोड़ना पड़ा। इसका सीधा प्रभाव पंजाब और सिंध प्रांतों की जल आपूर्ति और सिंचाई व्यवस्था पर पड़ा है। भारत ने जम्मू-कश्मीर में जलाशयों की सफाई और फ्लशिंग प्रक्रिया शुरू की है, जिससे पाकिस्तान की ओर जल प्रवाह और कम हो गया है। भारत ने पाकिस्तान को जल डेटा साझा करना भी बंद कर दिया है, जो संधि के तहत पहले अनिवार्य था।

आईआरएस के आंकड़े बताते हैं कि पाकिस्तान में पानी का कुल इनफ्लो 2,41,611 क्यूसेक और कुल आउटफ्लो 2,52,791 क्यूसेक है। यानी कि पाकिस्तान हर दिन 11,180 क्यूसेक अधिक पानी खर्च कर रहा है। पंजाब प्रांत को इस साल 1,14,600 क्यूसेक पानी मिला, जबकि पिछले साल यही आंकड़ा 1,43,600 क्यूसेक था। यानी 20त्र की कमी देखी गई है। इसी तरह सिंध प्रांत की भी जल आपूर्ति में गिरावट आई है।

ढ्ढक्रस्न की सलाहकार समिति ने पहले ही 1 मई से 10 जून तक के लिए 21त्र की पानी की कमी की चेतावनी दी थी। अब जून से सितंबर के अंत तक यह कमी 7त्र तक रहने का अनुमान है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस जल संकट से खरीफ की बुवाई पर भारी असर पड़ेगा।ढ्ढक्रस्न की सलाहकार समिति ने पहले ही 1 मई से 10 जून तक के लिए 21त्र की पानी की कमी की चेतावनी दी थी। अब जून से सितंबर के अंत तक यह कमी 7त्र तक रहने का अनुमान है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस जल संकट से खरीफ की बुवाई पर भारी असर पड़ेगा।

भारत ने स्पष्ट किया है कि सिंधु जल संधि को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में स्थगित किया गया है और जल प्रवाह या डेटा साझा करने की बाध्यता अब लागू नहीं है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने यह कड़ा कदम उठाया है। उस हमले में 26 लोग मारे गए थे।

राफा पहुंच रहा 50 देशों का काफिला, जानिए क्या है 'सुमुद कॉन्वो' जिससे टूटेगा गाजा ब्लॉकेड

दुनिया. इटली के कैटेनिया से गाजा के लिए रवाना हुए फ्रीडम फ्लोटिला (Freedom Flotilla) को इजराइल द्वारा रोके जाने के बावजूद, 50 से ज्यादा देशों से करीब 2500 लोग गाजा ब्लॉकेड को तोड़ने और फिलिस्तीनियों को ऐड पहुंचाने के लिए निकल चुके हैं.

ट्यूनीशिया के नेतृत्व में गाजा के लिए निकले इस वैश्विक मार्च को 'सुमुद काफिला' (Sumud Convoy) का नाम दिया गया है, इस अरबी शब्द का अर्थ दृढ़ता (steadfastness) है.

ये कॉन्वो करीब 12 बसों और 100 प्राइवेट कारों के साथ ट्यूनीशिया की राजधानी ट्यूनिस से 9 जून को रवाना हुआ है और करीब 2500 किलोमीटर का सफर कर राफा पहुंचेगा, जो ट्यूनिस से लीबिया होते हुए मिस्र, और फिर वहां से राफा जाएगा. साथ ही दूसरे देशों से शामिल होने वाले एक्टिविस्ट एयर रूट से मिस्र की राजधानी काहिरा पहुंचेंगे और काफिले को जॉइन करेंगे.

आज (12 जून) इस काफिले के मिस्र पहुंचने की उम्मीद है, लेकिन कुछ खबरों के मुताबिक मिस्र सरकार ने अभी तक इसको देश में एंट्री की परमिशन नहीं दी है. भारत से भी एक छोटे मानव अधिकार संगठनों के डेलिगेशन की इस वैश्विक मार्च में हिस्सा बनने की उम्मीद है.

मीडिया से बात करते हुए मुंबई निवासी सना सैयद, जो भारत से जाने वाले डेलिगेशन को कोऑर्डिनेट और ऑर्गेनाइज में मदद कर रही हैं, ने इसे मानवता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है.

क्या सुमुद कॉन्वो राफा पहुंच पाएगा?

फ्रीडम फ्लोटिला कोएलिशन की ओर से गाजा के लिए समुद्री मार्ग से खाद्य सामग्री, दवाइयां और अन्य आवश्यक सामान लेकर जा रहे 12 एक्टिविस्टों के दल, जिसमें ज्यादातर यूरोपीय देशों से थे. उनको गाजा से करीब 300 किलोमीटर दूर इजराइल सुरक्षा बलों ने हिरासत में लेकर डिपोर्ट कर दिया है.

ऐसे में इस सुमुद कॉन्वो के भी राफा में दाखिल होने की उम्मीद बहुत कम है, लेकिन इसमें शामिल होने वाले लोगों का मानना है कि वे इसके जरिए दुनिया भर के नेताओं पर दबाव बनाने में कामयाब होंगे कि वह इजराइल के नरसंहार युद्ध को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए.

24 घंटे में ही खुल गई पाकिस्तान की पोल, अमेरिका के विक्ट्री डे में असीम मुनीर को नहीं मिला न्योता

डफ्ष्ड्डस्ंडि. पाकिस्तान का एक और झूठ दुनिया के सामने आ गया है. पाकिस्तान पूरी दुनिया में खुद को बड़ा चढ़ाकर दिखाने की हर कोशिश करता है, ऐसी ही एक कोशिश का पर्दाफाश हो गया है. बुधवार को पाकिस्तान की ओर से बताया गया था कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर को अमेरिका में होने वाली 250वीं विक्ट्री डे परेड में शामिल होने के लिए न्योता मिला है. सूत्रों से पता चला है कि पाकिस्तानी जनरल आसिम मुनीर को विक्ट्री डे परेड में न्योता नहीं दिया गया है. मुनीर बस अमेरिका विजिट पर जा रहे है जहां वो अपने काउंटरपार्ट से मिलेंगे और उनका ये दौरा विक्ट्री डे परेड के लिए नहीं हो रहा है.

पाकिस्तानी की फजीहत

पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा में मुनीर के विजिट को हाइप किया जा रहा था कि उन्हें विक्ट्री डे परेड में न्योता दिया गया है. हालांकि अभी भी भारत की नजरें आसिम मुनीर के इस दौरे पर रहने वाली है, क्योंकि ये दौरा भारत पाक तनाव के एक महीने बाद हो रहा है.

अमेरिकी अधिकारी ने पाक को बताया भागीदार

यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड के कमांडर जनरल माइकल कुरिल्ला ने पाकिस्तान के बारे में कहा, ÷वे अभी आतंकवाद विरोधी लड़ाई में सक्रिय हैं और आतंकवाद विरोधी दुनिया में वे एक अभूतपूर्व भागीदार रहे हैं.÷ उन्होंने पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर ISIS-K आतंकवादियों का पीछा करने के लिए पाकिस्तानी सेना की सराहना भी की.

6500 KM की यात्रा, राजाओं की तरह स्वागत; घोड़े पर सवार होकर मक्का पहुंचे हज यात्री

दुनिया. इस वर्ष हज के लिए सऊदी अरब पहुंचे 15 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों में से सिर्फ तीन ऐसे थे जिन्होंने यह यात्रा घोड़े की पीठ पर तय की। वह भी स्पेन से मक्का तक लगभग 4,000 मील का सफर पूरा कर तीनों हज के लिए पहुंचे। तीनों स्पेनिश मुस्लिम तीर्थयात्री अब्देलकादेर हर्कासी आइदी, अब्दुल्ला राफाएल हर्नान्देज़ मानचा और तारिक रोड्रिग्ज ने इस ऐतिहासिक यात्रा को हज ऑन हॉर्स बैक नाम दिया है।

इस अनोखी यात्रा की तैयारी में चार साल लगे, जिसमें घोड़े पालने, अभ्यास यात्रा करने और फंड इकट्ठा करने जैसे कई चरण शामिल थे। उन्होंने अक्टूबर 2024 में दक्षिणी स्पेन से घोड़े लेकर प्रस्थान किया और 12 देशों से होते हुए मक्का पहुंचे। रास्ते में इटली के बर्फीले टनलों, बोस्निया के बारूदी सुरंगों से भरे इलाकों, और सीरिया के युद्ध प्रभावित क्षेत्रों से गुजरते हुए उन्हें कई जानलेवा कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।सोशल मीडिया से मिली ताकत इस यात्रा को सोशल मीडिया पर जबरदस्त लोकप्रियता मिली। 345,000 से ज्यादा इंस्टाग्राम फॉलोअर्स, 250,000 से अधिक ञ्जद्बद्मञ्जशद्म फॉलोअर्स और 5.5 लाख से अधिक व्यूज हैं। कई लोग उनकी मदद के लिए आगे आए। लोगों ने खाना, रहने की जगह और आर्थिक सहायता दी। एक अमेरिकी कलाकार ने उनके लिए अरबी शैली में एक प्रतीक चिन्ह भी डिजाइन किया।

हर देश में सीमाओं पर परेशानी हुई। घोड़ों को अलग करना पड़ा। स्थानीय घोड़े उधार लेने पड़े। कभी-कभी अधिकारियों की अनुमति लेना कठिन हो गया। फिर भी हर देश में मिले सामान्य लोगों के स्नेह और मदद ने उन्हें आगे बढ़ने का हौसला दिया।

मक्का पहुंचने पर हुआ स्वागत

सऊदी अरब में अधिकारियों ने इन तीर्थयात्रियों का स्वागत राजाओं की तरह किया।

मक्का पहुंचने के बाद उन्होंने लिखा, शब्दों में वह भावना नहीं समा सकती जो हमें यहां खड़े होकर महसूस हो रही है। हम प्रार्थना करते हैं कि हर मुसलमान को यह अवसर प्राप्त हो। अब यह तीर्थयात्री अपनी इस यात्रा पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी बनाने की योजना बना रहे हैं।

जनता भूखी मर रही, उधर चीन से 40 विमान खरीदने जा रहा पाकिस्तान; रक्षा बजट ने खोली पोल

दुनिया. पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली के बीच देश ने अपने रक्षा खर्च को बढ़ाते हुए चीन से अत्याधुनिक फिफ्थ जनरेशन स्टील्थ फाइटर छ्व-35 की खरीद की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। दरअसल पाकिस्तान ने अपने रक्षा बजट में 20त्र की वृद्धि की है, जिसके तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 2,550 अरब रुपये (लगभग 9 अरब डॉलर) आवंटित किए गए हैं। इस वृद्धि का प्रमुख कारण चीन से 40 अत्याधुनिक जे-35ए स्टील्थ फाइटर जेट्स की खरीद का प्रस्ताव है, जो भारत के साथ बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान की सैन्य ताकत को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

40 J-35A स्टील्थ लड़ाकू विमान खरीदने पर बातचीत

टाइम्स ऑफ इंडिया ने सूत्रों के हवाले से लिखा, पाकिस्तान चीन से 40 J-35A स्टील्थ लड़ाकू विमान खरीदने पर बातचीत कर रहा है और अगस्त से इनकी डिलीवरी शुरू हो सकती है। छ्व-35 एक ट्विन-इंजन मल्टीरोल फाइटर जेट है, जिसमें PL-17 मिसाइलें और अत्याधुनिक ्ररूस्न रडार सिस्टम लगे हैं। इससे पाकिस्तान की एयर सुपीरियॉरिटी और स्ट्राइक क्षमता में उल्लेखनीय इजाफा हो सकता है। पाकिस्तान एयरफोर्स ने इस सौदे को पहले ही मंजूरी दे दी है और पायलटों को चीन में ट्रेनिंग दी जा रही है। चीन ने कथित तौर पर पाकिस्तान को इस सौदे में 50त्र तक की छूट और लचीले भुगतान विकल्प दिए हैं, जो दोनों देशों के गहराते रणनीतिक संबंधों का प्रतीक है। वर्तमान में पाकिस्तान के लगभग 80त्र हथियार चीन से आते हैं। J-10C फाइटर जेट और HQ-9 एयर डिफेंस सिस्टम जैसे हथियारों का इस्तेमाल पाकिस्तान ने हाल ही में भारत के साथ सैन्य टकराव के दौरान किया था। आर्थिक संकट के बीच सैन्य खर्च पर सवाल पाकिस्तान का यह सैन्य उभार ऐसे समय में हो रहा है जब देश गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। पाकिस्तान पर चीन का 15 अरब डॉलर का कर्ज पहले ही आ रहा है। इसके अलावा, पाकिस्तान IMF से 6-8 अरब डॉलर के राहत पैकेज की मांग कर रहा है।

कुल 269 अरब डॉलर के कर्ज में डूबा देश अपनी GDP का 1.9त्र से अधिक सिर्फ कर्ज चुकाने में खर्च कर रहा है।

ऐसे में सामाजिक कल्याण, शिक्षा और आधारभूत ढांचे पर खर्च के लिए सरकार के पास सीमित संसाधन हैं।

फिर भी, शहबाज शरीफ सरकार ने इस बार के बजट में कुल राष्ट्रीय खर्च को 7% घटाकर 17.57 ट्रिलियन रुपये कर दिया है, जबकि रक्षा खर्च को प्राथमिकता दी गई है।

वाशिंगटन में 'विक्ट्री डे परेड' के दौरान हिंसक प्रदर्शन की आशंका, ट्रंप की चेतावनी पूरी ताकत से निपटेंगे

वाशिंगटन डीसी में होने वाली 'विक्ट्री डे परेड' को लेकर तनाव है. परेड के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने विरोध की चेतावनी दी है. ट्रंप ने हिंसा पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है, जिसकी डेमोक्रेट्स ने निंदा की है. परेड में 7000 सैनिक, 150 वाहन और 50 से अधिक लड़ाकू विमान शामिल होंगे, जबकि सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं.

वाशिंगटन. अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में शनिवार को होने जा रही 'विक्ट्री डे परेड' को लेकर देशभर में राजनीतिक सरगर्मी तेज है. एक ओर जहां इसे अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जन्मदिन के प्रतीक के रूप में मनाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रदर्शनकारी संगठनों ने इसे 'शक्ति प्रदर्शन की राजनीति' करार देते हुए जोरदार विरोध की चेतावनी दी है.

इस परेड को अमेरिका के इतिहास की सबसे बड़ी सैन्य झांकी के रूप में देखा जा रहा है. 1991 में गल्फ युद्ध के बाद यह पहली बार है जब इतने बड़े पैमाने पर सैनिक प्रदर्शन किया जा रहा है. अनुमान है कि इसमें लगभग 7,000 सैनिक, 150 सैन्य वाहन, और 50 से अधिक लड़ाकू विमान भाग लेंगे. परेड की लागत 25 से 45 मिलियन डॉलर तक पहुंचने की आशंका जताई गई है, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था, सड़क बंदी और अन्य प्रशासनिक खर्च शामिल हैं.

व्हाइट हाउस और आसपास के इलाकों में विरोध प्रदर्शन की तैयारी

इस आयोजन को लेकर देशभर के विभिन्न संगठनों ने विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई है. नो किंग्स डे नामक समूह ने खास तौर पर इस दिन को 'तानाशाही के खिलाफ जन-प्रतिरोध' के रूप में मनाने का आह्वान किया है. जानकारी के मुताबिक व्हाइट हाउस, आर्लिंगटन और पोटामैक नदी के आसपास प्रदर्शनकारियों के जुटने की तैयारी है . प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह परेड लोकतंत्र की आत्मा के खिलाफ है और इसका उद्देश्य एक व्यक्ति विशेष के महिमामंडन को दर्शाना है, न कि सेना के बलिदान का सम्मान.

इन संभावित विरोधों को देखते हुए वॉशिंगटन में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं. चार दिनों तक सड़कों की बंदी लागू की गई है, 175 मेटल डिटेक्टर लगाए गए हैं, 18.5 मील लंबी स्टील बाड़ खड़ी की गई है और ड्रोन से निगरानी की जा रही है. नेशनल गार्ड, मरीन और स्पेशल फोर्स को भी तैनात किया गया है.

ट्रंप की चेतावनी 'भारी बल से निपटेंगे'

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने परेड से पहले सख्त रुख अपनाते हुए साफ कहा है कि वाशिंगटन में किसी भी प्रकार की अराजकता या हिंसा को 'बहुत भारी बल' से कुचला जाएगा. उन्होंने कहा, 'यह अमेरिका की ताकत का दिन है और जो कोई इसे बाधित करेगा, उससे पूरी ताकत से निपटा जाएगा.

ट्रंप के इस बयान की डेमोक्रेट पार्टी ने जमकर निंदा की है. कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूज़म ने इसे 'लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा हमला' बताया है. कई सामाजिक संगठनों ने भी इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के खिलाफ कार्रवाई कहा है.

स्टाइलिश साड़ी टिप्स

सदियों से ही भारतीय नारी का पारंपरिक परिधान साड़ी ही रहा है। ढेर सारे प्रयोगों के बाद भी साड़ी वही है, बदला है तो केवल उसका स्टाइल।

नित नए फैशनेबल स्टाइल साड़ी में आ रहे हैं। ऐसे में बहुत महँगी साड़ी न खरीदते हुए भी आप थोड़ी-सी सूझबूझ से कम कीमत में अपनी साड़ियों को घर पर ही सजा कर आप न्यू लुक दे सकती हैं। जो आपकी साड़ियों में चार चाँद लगा सकते हैं।

आइए देखें क्या हैं टिप्स...

- प्लेन साड़ी में प्लेट्स (पटली) और पल्लू पर बड़े सितारे लगाएँ बाकी साड़ी को प्लेन ही रहने दें।
- आजकल कई तरह का साड़ी वर्क फैशन में हैं। आप भी अपनी साड़ी को मनचाहा ट्रेस देकर उसमें सितारे, कुंदन, मिरर, पाइप नाका टाँकी आदि वर्क करें।
- अपनी साड़ी की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए प्रिंटेड साड़ी में चिपकने वाले सितारों का उपयोग करें।
- अपनी साड़ी में बंधेज वर्क करके आप उसे एक अनोखा रूप दे सकती हैं।
- नेट की साड़ी आजकल बहुत प्रचलन में हैं, नेट पर मनचाही डिजाइन में वर्क करके उसे न्यू इफेक्ट दें।
- व्हाइट और ब्लैक ऐसे कलर हैं, जिस पर कोई भी वर्क करके आप पार्टी की शान बन सकती हैं।
- बॉर्डर और पल्लू को जरदौजी वर्क से डेकोरेट करें। बॉर्डर को लहरदार भी बना सकती हैं।
- किसी भी इवनिंग पार्टी के लिए साड़ी में मोती का वर्क करें, जो आपकी साड़ी को सोबर लुक देगा।
- प्लेन जॉर्जेट की साड़ी पर सॉटन के फूलों का वर्क करें, जो बहुत ही शानदार लगेगा।
- कॉटन की साड़ी पर पेंचवर्क साड़ी की शोभा दुगुनी कर देगा।
- अपनी साड़ी आकर्षक बनाने के लिए उस पर कढ़ाई करें। जैसे काथा वर्क, नॉटस्टिच, सिंधी कढ़ाई, लेजी-डेजी आदि कढ़ाई से साड़ी बहुत लुभावनी लगेगी।
- अपनी साड़ी में एम्ब्रॉइडरी करवाकर आप उसे स्पेशल बना सकती हैं।
- आजकल विभिन्न प्रकार की लेस चलन में है। अपनी किसी साड़ी में लेस लगाकर आप उसे हैवी बना सकती हैं।
- साड़ी में फेब्रिक पेंटिंग करके आप उसे न्यू लुक दे सकती हैं।
- सॉटन या अन्य किसी प्रिंटेड कपड़े की लेसनुमा बॉर्डर भी आप अपनी साड़ी में लगा सकती हैं।
- फेब्रिक कलर ट्यूब, जो आजकल हर कलर में उपलब्ध हैं, से आप साड़ी पर कम समय और कम लागत में वर्क करके साड़ी को पार्टी वियर बना सकती हैं।

साड़ी पहनने के अलग-अलग स्टाइल

ऐसा जरूरी नहीं कि आप जिस स्टाइल की साड़ी पहनती हैं, उसे ही हमेशा पहनें। साड़ी को पहनने के भी कई तरीके हैं।

आप अपनी हाइट, हेल्थ और मौके के अनुसार उसे चुन सकती हैं, जैसे : फ्री पल्लू साड़ी, पिनअप साड़ी, उल्टा पल्लू, सीधा पल्लू, लहँगा स्टाइल साड़ी, मुमताज स्टाइल साड़ी, बंगाली साड़ी, साड़ी आदि स्टाइलों की साड़ियों को आप अपनी पसंद से चेंज करके पहन सकती हैं।

बच्चे के मुँह में जब हो अँगूठा

बच्चों का अँगूठा चूसना एक सामान्य क्रिया है, लेकिन छह माह की उम्र के बाद भी बच्चा अँगूठा चूसना नहीं छोड़ता है, तो यह इस बात का सूचक है कि बच्चे के माँ-बाप बच्चे के प्रति लपरवाह हैं।

यह आदत बच्चों में तब पड़ती है, जब वह अपने को अकेला, असहाय, असुरक्षित महसूस करता है। अधिकतर माता-पिता इस आदत को बहुत सामान्य तरीके से लेते हैं। क्या आप जानते हैं आपके बच्चे की अँगूठा चूसने की आदत के क्या नुकसान है?

अँगूठा चूसने के नुकसान :

- हमेशा तो बच्चे को साफ-सुथरा रखना संभव नहीं होता, ऐसे में यदि वे अपना अँगूठा या हाथ मुँह में लेते हैं, तो हाथ के साथ गंदगी, धूल व कीटाणु भी बच्चे के मुँह में चले जाते हैं।
- अँगूठा चूसने वाले बच्चे की भूख मर जाती है, वे दूध की या भोजन की माँग नहीं करते, फलस्वरूप उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ता है।
- अँगूठा चूसने का प्रभाव बच्चे के मस्तिष्क पर भी पड़ता है, वे अँगूठा चूसने में मस्त रहते हैं और मंद बुद्धि की ओर अग्रसर होते हैं।
- अँगूठा चूसने से बच्चे के दाँत बाहर की ओर निकल आते हैं, होठ मोटे होकर लटक जाते हैं, मुँह खुला रखने की आदत पड़ जाती है।
- एक ही हाथ का अँगूठा चूसने के कारण वह अँगूठा पतला हो जाता है, इसका असर बच्चे के शिक्षण पर भी पड़ सकता है, यदि वह उसी हाथ से लिखना शुरू करें।
- अँगूठा चूसने वाले बच्चे की जीभ बाहर की ओर निकली रहती है, इससे वे बोलने में तुतलाते हैं।
- ऐसे बच्चे आलसी व कमजोर हो जाते हैं, बड़े होते-होते हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं।

कॉफी को जायकेदार बनाएँ

- कॉफी को सदैव हवाबंद बॉटल में भरकर रखें। हवा लगने से कॉफी में गुठले पड़ जाते हैं और स्वाद भी खराब हो जाता है।
- कॉफी का स्वाद बढ़ाने के लिए उसमें अदरक और छोटी इलायची डालें।
- एस्प्रेसो कॉफी का आनंद प्राप्त करने के लिए एक कप में कॉफी में प्रयोग होने वाली कुल चीनी और कॉफी लें और दो चम्मच दूध डालकर चम्मच से खूब फेंटें जब कॉफी का रंग बिलकुल सफेद हो जाए तब इसे दूध में डालकर एक उबाल दें, थोड़ी ऊँचाई से कप में धार बनाकर डालें। आपको एस्प्रेसो कॉफी का आनंद मिलेगा।
- कॉफी को सदैव शीशी में रखें, खुली रखने से कॉफी की खुशबू उड़ जाती है।
- विविध जायकेदार कॉफी बनाने के लिए उसमें दालचीनी, लौंग, चॉकलेट के टुकड़े व नींबू के छिलके डालें।

कमरा सजाएँ फूलों से

फूलों से सजाएँ अपनी दुनिया

अपने घर या ऑफिस को प्रभावी बनाना चाहती हैं और ये भी चाहती हैं कि सजावट जीवंत होकर आपके भाव खुद ही बयाँ करे। प्रकृति से जुड़ा आपका मन विभिन्न रंगों की कल्पना करता है तो फूलों से बेहतर क्या हो सकता है? फूलों के बारे में सोचकर आधा काम तो आपने कर लिया। अब बारी है यह देखने की कि आगे कैसे क्या करें।

- यदि आप कमरे की व्यवस्था में लंबी सजावट का प्रयोग कर रहीं हैं तो कुछ लंबे फूलों का प्रयोग करें। लंबे फूलों से अर्थ है कि जिनमें ऊपर की ओर कलियाँ होती हैं तथा नीचे की ओर फूल लगे होते हैं जैसे रजनीगंधा, ग्लेडुलाई, डेलफिनियम तथा ट्यूबरोजेस आदि।
- फूलों के गुच्छे आपकी सजावट में समृद्धि लाते हैं इसलिए यदि आप रिच लुक देना चाहती हैं तो ये बहुत अच्छे विकल्प हो सकते हैं। ये गुच्छे एक ही फूलों के या विभिन्न फूलों के हो सकते हैं। इन फूलों में गुलाब, कार्नेशन, झरबेरी, लिली, जिनिस तथा सेवंती को अपनी पसंद के अनुसार चुन सकती हैं। जहाँ कुछ खाली-खाली लग रहा हो वहाँ कुछ सहायक फूलों तथा पत्तियों के प्रयोग से जान डाल सकती हैं। जैसे फर्न, एस्टर तथा कुछ अन्य प्रकार की डालियाँ।
- चुने गए फूलों के अनुसार आप सजावट कर सकती हैं जैसे एक लंबे पतले वॉस में एक गुलाब की कली को सजाकर रख सकती हैं या चौड़े पॉट में बहुत से फूलों को बाँधकर रखें। इसे टेबल के सेंटरपीस की तरह प्रयोग करें। चाहें तो फूलों को पारंपरिक रुप से सजाएँ या इकेबाना का रुप दें लेकिन यदि आपका मन कह रहा है कि इस रंग के फूल के साथ यही फूल अच्छा लगेगा तो सज्जा के नियमों को अलग रखकर अपने मन की बात मानें।
- प्रकृति के इन अनुपम उपहारों को आप अलग-अलग थीम देकर भी सजा सकती हैं और इनके साथ विभिन्न सजावट की वस्तुओं का प्रयोग भी कर सकती हैं।

रिबन सैंडविच

सामग्री : 6 सफेद ब्रेड के स्लाइसेस, 6 ब्राउन ब्रेड के स्लाइसेस, मक्खन 3 टेबल स्पून, उबले आलू 2, पीला रंग 5 बूँदें, नमक, कालीमिर्च पावडर स्वादानुसार, हरी चटनी पाव कप, टमाटर सॉस पाव कप।

सामग्री कवर के लिए : बेसन एक कप, नमक पाव टी स्पून, सोडा चुटकी भर, मोयन के लिए गरम तेल एक टी स्पून, तेल तलने के लिए।

विधि : ब्रेड के स्लाइसेस पर मक्खन लगा लें। उबले हुए आलू कसकर उसमें पीला रंग, नमक, कालीमिर्च मिला लें। फिर 2 सफेद और 2 ब्राउन ब्रेड के स्लाइसेस लें। एक सफेद ब्रेड स्लाइस पर हरी चटनी लगाकर उस पर ब्राउन ब्रेड रखें।

उसके ऊपर टमाटर सॉस लगाकर ऊपर सफेद ब्रेड का स्लाइस रखें। अंत में सफेद ब्रेड पर आलू के पीले मिश्रण की पतली परत रखकर उसके ऊपर ब्राउन ब्रेड का स्लाइस रखें। सैंडविच अच्छी तरह से दबाएँ और तेज छुरी से उसे तीन हिस्सों में काटिए (आप चाहें तो सैंडविच ऐसे भी परोस सकते हैं।) अब बेसन में नमक, सोडा और गरम तेल का मोयन डालकर पकौड़े के मिश्रण जैसा बनाएँ।

इस मिश्रण में तैयार सैंडविच डुबोकर गरम तेल में तलकर गरमा-गरम परोसिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अतःधैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितीयों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 4083

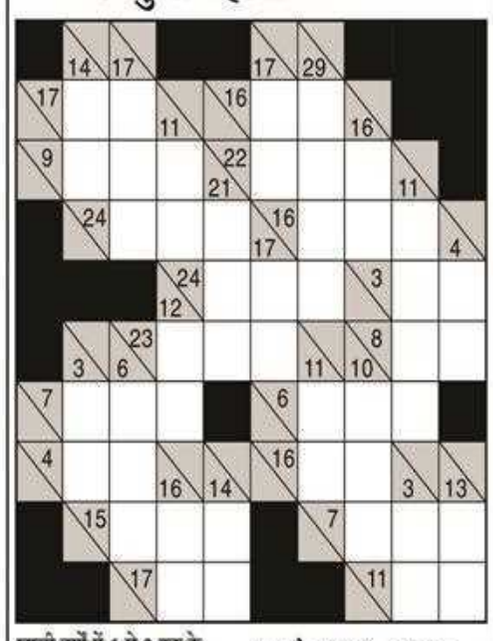

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो -4082 का हल

हंसी के फूव्वारें

फौजदारी का मुकदमा था.

अपराध स्वीकार कर लेने के पश्चात वकील ने अपराधी से पूछा-'तुमने उसे कितने थप्पड़ मारे थे ?'

'जी एक !'

तभी वह आदमी चिल्ला पड़ा जिसे मार पड़ी थी-'यह झूठ बोलता है मीलॉर्ड ! इसने मुझे पांच थप्पड़ मारे थे !'

इस पर अपराधी ने भोलेपन से कहा-'मीलॉर्ड ! मैंने मारा तो एक ही थप्पड़ था, पर इसके स्वास्थ्य को देखते हुए मैंने उसे पांच किश्तों में बांट दिया था.'

एक बार परेड हो रही थी.

एक कमांडर को बहुत कम जवानों के नाम याद रहते थे. वह जिस किसी जवान का नाम जानता था, परेड के समय उसी को ज्यादा टोकता था.

उस दिन परेड में वह चिल्लाया-'महेश ! परेड के साथ नहीं चलते. कदम बराबर मिलाओ ! तुम बहुत सुस्त चलते हो.'

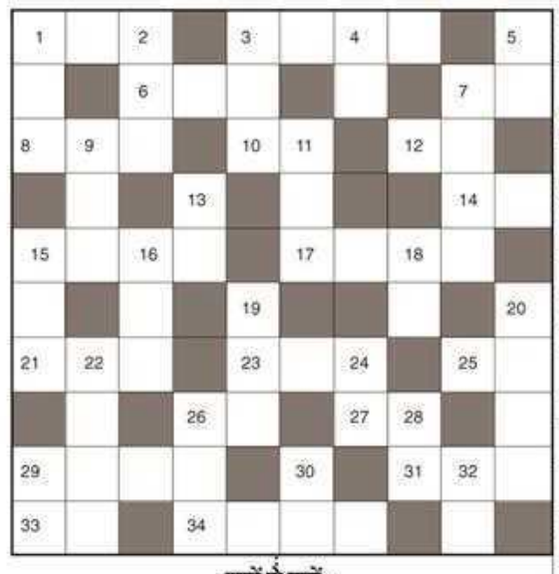

'सर !'

सूबेदार ने सूचना दी-'महेश तो आज छुट्टी पर है.'

'तो क्या हुआ ?'

कमांडर और जोर से चीखा-'वह वहां भी सुस्त चल रहा होगा.'

फिल्म वर्ग पहेली -4083

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी ?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरुख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज बाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था ?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी ?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका ?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका ?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक ?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली -4082

सूडोकु -4083

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4082 हल

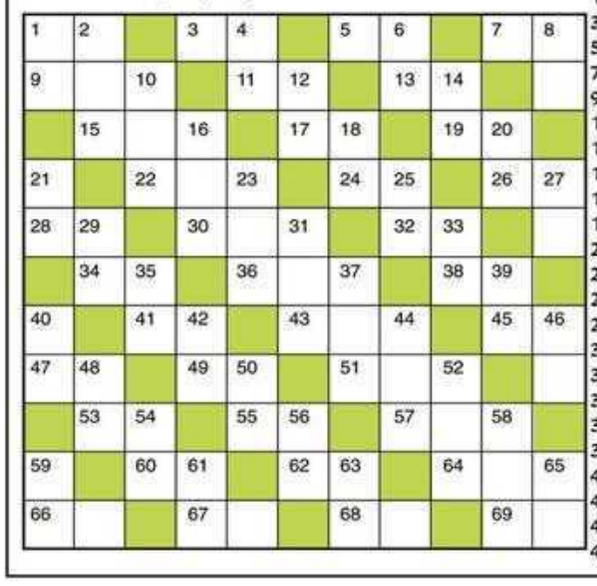

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली -4083

बाएँ से दाएँ

1.बलगम-2
3.जाप,मंत्र पाठ-2
5.काया,बदन-2
7.ठाठ-बाट-2
9.गिरावट,अवनति-3
11.बुरी आदत-2
13.सद,अच्छा-2
15.बंदर-3
17.अपशिष्ट पदार्थ-2
19.थोड़ा-2
22.दबाना,कुचलना-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
26.आम जनता-2
28.पिता के पिता-2
30.पक्षाघात,फालिज-3
32.मनमौजी,अलमस्त-2
34.नवीन-2
36.लोच-3
38.गाड़ी,घोड़ागाड़ी-2
41.बीता हुआ दिन-2
43.लेखनी,पेन-3
45.अधर-2
47.रांझा की प्रेमिका-2
49.अप्सरा,परी-2
51.गर्भ,कोख-3
53.दंड,शिक्षा -2
55.पाश,फंदा-2
57.परखना-3
60.वोट,अभिप्राय-2
62.हत्या-2
64.तिरस्कृत-3
66.शराब-2
67.उद्देश्य-2
68.टूंटी,नलका-2
69.आनंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्याला-2
2.धर्म आदेश-3
4.क्षण,लमहा-2
6.गगन,आकाश-2
8.सरुर,खुमार-2
10.पति की बहन-3
12.अंधकार-2
14.शर्म,लज्जा-2
16.पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18.भाग्य (अंग्रेजी-2)
20.रहस्य-2
21.कुर्बान-2
23.अनुकृति-3
25.जोर,बल-2
27.नाखून-2
29.दक्षिणा-2
31.पढ़ने वाला-3
33.परत-2
35.भैंस जैसा एक प्राणी-2
37.झगड़ा-3
39.भूमि,धरा -2
40.राहगीर-2
42.रक्त-2
44.मां का प्रेम-3
46.दम-2
48.आनंद-2
50.छुट्टी-2
52.झगड़ना-3
54.प्याला-2
56.प्यार-2
58.असफल-3
59.यमराज-2
61.पैदा-2
63.संपत्ति-2
65.सम्राट-2

शब्द पहेली -4082 का हल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक रितु वालिया के लिये वालिया प्रिंटर्स, मकान नंबर 1265, वार्ड नंबर 10, लोहारू जिला/शहर-भिवानी हरियाणा 127201 से मुद्रित व मकान नंबर 1265, वार्ड नंबर 10, लोहारू जिला/शहर भिवानी हरियाणा 127201 से प्रकाशित किया।
ई मेल: lokparerna@gmail.com, फोन: 01252-259260, संपादक: श्रीमती रितु वालिया, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।